डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 107 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार, 26 मार्च 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

एमपी में पांच चीते फलांग गए कूनो की सीमा

● गांव पहुंचे तो लाठी-डंडे और पत्थरों से हुआ 'वेलकम' ● एक महीने पहले हुए थे आजाद,लाठी-डंडों से की गई पिटाई

श्योपुर (एजेंसी)। कूनो नेशनल पार्क से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। मादा चीता ज्वाला और उसके चार शावक पार्क से बाहर निकल गए। ग्रामीणों ने उन्हें लाठी-डंडों और पत्थरों से भगाने की कोशिश की। चीतों ने एक गाय पर हमला कर दिया था, जिसके बाद लोग गुस्से में आ गए। वन विभाग की टीम ने लोगों को चीतों से दूर रहने के लिए कहा, लेकिन वे नहीं माने। यह घटना सोमवार सुबह हुई। एक महीने पहले ही इन चीतों को जंगल में छोड़ा गया था। दरअसल, ज्वाला और उसके चार बच्चे शनिवार शाम को पहली बार कूनो नेशनल पार्क की सीमा से बाहर निकले थे। रविवार दोपहर तक

वे वापस जंगल में चले गए थे। लेकिन, रविवार रात को वे फिर से वीरपुर तहसील के श्यामपुर गांव के पास दिखाई दिए। वे श्योपुर-ग्वालियर ब्रॉडगेज रेल ट्रैक से लगभग 1 किलोमीटर दूर थे। ग्रामीणों ने चीतों को भगाने के लिए लाठियां उठाई। जब चीतों ने गाय पर हमला किया, तो लोगों ने उन्हें पत्थर मारे। सोमवार सुबह, ये पांचों चीते कूनो सायफन के पास से होते हुए कूनो नदी में पहुंचे। वे निर्माणाधीन रेलवे पुल के नीचे काफी देर तक बैठे रहे। इस दौरान, वहां से गुजरने वाले लोग चीतों को देखने के लिए जमा हो गए। मादा चीता और उसके बच्चे एक-एक करके रास्ता पार कर रहे थे।

संभल में जितने मरे सबको पुलिस ने मारा

● जेल जाते वक्त चिल्लाकर बोले जफर अली

संभल (एजेंसी)। संभल हिंसा के 4 महीने बाद जामा मस्जिद के सदर जफर अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। रविवार रात साढ़े 9 बजे मुरादाबाद जेल भेज दिया गया। जीप से उतरते ही जफर ने कहा- हिंसा के बाद मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसलिए मुझे जेल भेजा

गया। जफर अली ने चिल्लाकर कहा- मुझे फंसाया गया, क्योंकि मैंने पुलिस वालों की पोल खोल दी थी। मैंने बता दिया था कि बच्चों को इन्होंने मारा है। हिंसा में जितने भी लोग मारे हैं, उन्हें पुलिस और प्रशासन ने मारा है। जफर अली संभल कोर्ट में वकालत करते हैं। ऐसे मे वकीलों ने विरोध में नारेबाजी की।

शिमला में पैसेंजर विमान को इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोका

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल के शिमला में जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह बड़ा हादसा होने से टल गया। दिल्ली से शिमला आए एलायंस एयर के विमान को तकनीकी खराबी आने के बाद इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकना पड़ा। बताया गया है कि लैंडिंग के बाद विमान की स्पीड कम नहीं हुई थी। विमान में हिमाचल के डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री

और डीजीपी डॉ. अतुल वर्मा सवार थे। दोनों दिल्ली से शिमला लौट रहे थे। एलायंस एयर का 42 सीटर विमान दिल्ली से सुबह शिमला आता है। विमान में क्रू मेंबर्स समेत 44 यात्री थे। यह फ्लाइट दिल्ली से शिमला, शिमला से धर्मशाला, धर्मशाला से शिमला और शिमला से शाम को वापस दिल्ली जाती है। फिलहाल अगली तीनों फ्लाइट रद्द कर दी गई हैं।

पंजाब के मंत्री की अमेरिका यात्रा पर केंद्र की रोक

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां को विदेश मंत्रालय ने अमेरिका यात्रा की मंजूरी देने से इनकार कर दिया। खुड्डियां को अधिकारियों के साथ 29 मार्च से 6 अप्रैल तक अमेरिका के विस्कॉन्सिन स्थित ग्लोबल की लैब का दौरा करना था। यहां उन्हें पंजाब के डेयरी किसानों के लिए होल्स्टीन फ्रीजियन नस्ल की गायों के लिए

सेक्स्ड सीमन प्राप्त करने के लिए समझौता करना था। यात्रा का पूरा खर्च पंजाब पशुधन विकास बोर्ड की तरफ से होना था। उन्होंने मार्च के पहले हफ्ते में यात्रा के लिए विदेश मंत्रालय को पत्र लिखा था। हालांकि विदेश मंत्रालय ने यात्रा की मंजूरी देने से मना कर दिया। पंजाब सरकार के एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया- पंजाब सरकार गायों के लिए सेक्स्ड सीमेन प्राप्त करने बातचीत कर रही थी।

पैरोडी सॉन्ग विवाद- कुणाल कामरा को काट देने की धमकी

- 500 से ज्यादा कॉल आईं; वकील ने पुलिस से 7 दिन का समय मांगा

महाराष्ट्र (रॉयल पत्रिका) | महाराष्ट्र के डिप्टी CM एकनाथ शिंदे पर पैरोडी सॉन्ग बनाने पर कॉमेडियन कुणाल कामरा को अब जान से मारने की धमकी मिल रही है। सूत्रों के मुताबिक, कामरा को कम से कम 500 धमकी भरे कॉल आए हैं। जिसमें लोगों ने उन्हें जान से मारने और टुकड़े-टुकड़े करने की धमकी दी है।

उधर पुलिस ने मंगलवार को कामरा को समन जारी किया था। उन्हें पूछताछ के लिए सुबह 11 बजे खार पुलिस स्टेशन बुलाया गया था। हालांकि, कामरा के वकील ने पुलिस से 7 दिन का समय मांगा है। कामरा फिलहाल मुंबई से बाहर हैं।

36 वर्षीय स्टैंड-अप कॉमेडियन ने अपने शो में शिंदे के राजनीतिक करियर पर कटाक्ष किया था। कामरा ने फिल्म 'दिल तो पागल है' के एक गाने की पैरोडी की थी, जिसमें शिंदे को गद्दार कहा गया।

इस बीच कुणाल कामरा ने 25 मार्च को एक और नया पैरोडी सॉन्ग सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। हम होंगे कामयाब की लाइन को बदलकर उन्होंने हम होंगे कंगाल एक दिन में बदल दिया।

शिवसेना का आरोप है कि कामरा की पैरोडी की शुरुआत में ही डिप्टी CM एकनाथ शिंदे के लुक को बताया गया है। फिर उनके शिवसेना से बगावत कर विधायकों के साथ गुवाहाटी जाने की बात कही गई है।

इसके अलावा उनके रिक्शा (ऑटो रिक्शा) चलाने और ठाणे के होने का भी जिक्र है। शिंदे ठाणे के रहने वाले हैं और पहले ऑटो रिक्शा चलाते थे। वहीं, शिंदे

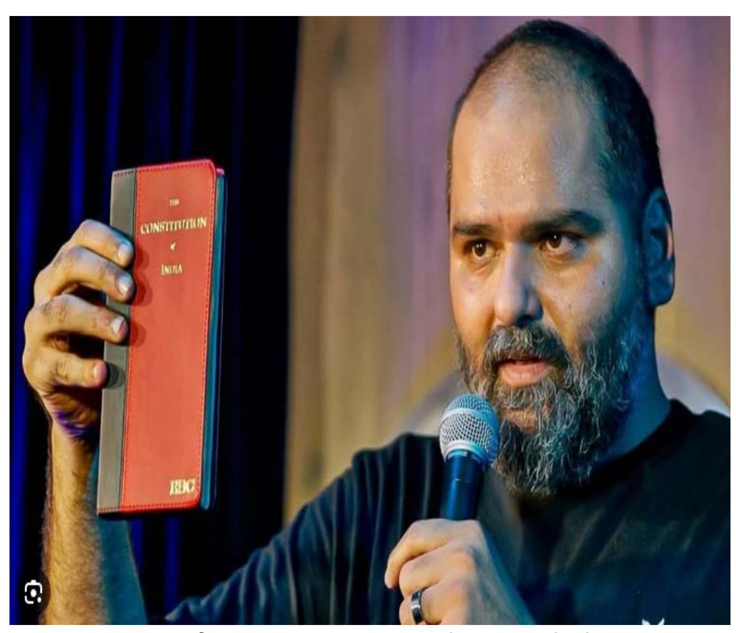

को गद्दार, दलबदलू और फडणवीस की गोद में बैठने वाला बताया गया है।

विवाद के बीच डिप्टी CM एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को कहा- किसी पर हास्य व्यंग्य करना, कटाक्ष करना गलत नहीं है, लेकिन इसकी भी एक मर्यादा होती है। कुणाल कामरा ने जो किया, ऐसा लगता है कि उन्होंने सुपारी लेकर ऐसा किया है। कटाक्ष करते समय एक शिष्टाचार बनाए रखा जाना चाहिए, वर्ना एक्शन का रिएक्शन भी होता है।

कामरा पर FIR दर्ज, कॉल रिकॉर्डिंग की जांच होगी

स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा पर 24 मार्च को FIR दर्ज हुई। महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने विधानसभा में कहा- कॉमेडियन कुणाल कामरा की कॉल रिकॉर्डिंग, CDR और बैंक स्टेटमेंट की भी जांच की जाएगी। हम पता लगाएंगे कि इसके पीछे कौन है। इधर बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) की टीम ने यूनीकॉन्टिनेंटल होटल पर कार्रवाई की।

शिवसेना (शिंदे) के कार्यकर्ताओं ने इस पैरोडी को महाराष्ट्र के डिप्टी CM एकनाथ शिंदे पर आपत्तिजनक कमेंट माना और रविवार रात को यूनीकॉन्टिनेंटल होटल में तोड़फोड़ की। कुल 40 शिवसैनिकों पर FIR हुई।

जूली बोले-विधानसभा के लिए कई षडयंत्र होते हैं

जयपुर (रॉयल पत्रिका) |विधानसभा में आज राज्यस्तरीय विकसित भारत युवा संसद चल रही है। देश के विकास में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा के लिए खेल मंत्रालय देशभर में इसका आयोजन कर रहा है। बुधवार को हो रही युवा संसद में 140 युवा अपनी बात रखेंगे। बेहतरीन तरीके से बात रखने वाले तीन युवाओं का राष्ट्रीय युवा संसद के लिए चयन किया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को इसकी शुरुआत की। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- इस सदन में आने के लिए पता नहीं कितनी मेहनत करनी होती है। कितने षड्यंत्र चलते हैं, तब जाकर मौका मिलता है। इसमें युवाओं को आने का मौका मिला है। सदन में बैठना एक अलग ही अनुभव है।

भंवर जितेंद्र जब केंद्रीय मंत्री थे तो मुझे युवा संसद में चीन जाने का मौका मिला था

जूली ने कहा- हमारे अलवर के सांसद रहे भंवर जितेंद्र सिंह जब केंद्रीय युवा मंत्री थे, तब भारत से चीन में युवाओं का डेलिगेशन गया था, उसमें मुझे जाने का मौका मिला। देश में भी कई जगह युवा संसद में जाने का मौका मिला।

जूली ने कहा कि युवाओं को ज्यादातर घर के लोग राजनीति से दूर ही रखना चाहते हैं। युवा जब तक राजनीति में भागीदार नहीं होगा, राजनीति में नहीं आएगा, तब तक नए विचार राजनीति में कैसे आएंगे?

कांग्रेस-बीजेपी अपनी बात कहेगी, आप रिसर्च कर सही का पता लगाओ

जूली ने कहा- युवाओं को सही दिशा देने की जरूरत है। नशा युवाओं को खोखला कर रहा है। युवा ताकत परमाणु मिसाइल से भी ज्यादा ताकतवर है। युवा सही दिशा में जाएगा तो देश तरक्की करेगा। वे बोले- कांग्रेस और बीजेपी अपनी बात कहेंगे, सुनने पर सब सही लगता है। ऐसा लगता है सब सही कह रहे हैं लेकिन आप रिसर्च करेंगे तब पता लगेगा कि सही रास्ता कौन सा है। युवाओं को मौका देने की जरूरत है। मुझे यह मौका मिला है, मुझे विधानसभा का दूसरा सबसे युवा नेता प्रतिपक्ष होने का मौका मिला है। युवाओं की समस्या युवा ही बेहतर समझते हैं।

देवनानी बोले- 3 युवा राष्ट्रीय युवा संसद में भाग लेंगे

विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा- इस कार्यक्रम में राजस्थान के सभी जिलों से चयनित 18 से 25 साल के 140 युवा भाग ले रहे हैं। विधानसभा में चर्चा के लिए युवाओं का चयन एक चयन प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया है। 140 में से तीन युवाओं का चयन होगा, जो राष्ट्रीय युवा संसद में भाग लेंगे।

संविधान कोई नहीं बदल सकता, आप देश तोड़ रहे हैं

● खड़गे बोले, कर्नाटक डिप्टी सीएम के बयान पर दी सफाई ● डीके ने मुस्लिम आरक्षण पर कहा था-कॉन्स्टीट्यूशन बदलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में बजट सत्र के दूसरे फेज के 9वें दिन कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के एक बयान पर संसद में हंगामा हुआ। इसके बाद दोनों सदनों की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। डिप्टी सीएम ने रविवार को एक कार्यक्रम में मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर कहा था कि संविधान बदला जाएगा। सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा- मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा उठाकर कांग्रेस ने बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान का अपमान किया है। अगर हिम्मत है तो आज ही उपमुख्यमंत्री का इस्तीफा

मांगिए। जवाब में मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- बाबासाहेब के संविधान को कोई नहीं बदल सकता। आरक्षण को कोई खत्म नहीं कर सकता। इसकी रक्षा के लिए हमने कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत जोड़ो यात्रा की। आप भारत तोड़ रहे हैं। उधर, लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर भाजपा सांसदों ने मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा उठाया। सपा सांसद पोस्टर लेकर सदन में आए। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने आपत्ति जताई और सदन 12 बजे तक स्थगित कर दिया। 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर रिजिजू सदन पहुंचे और कर्नाटक के डिप्टी सीएम को बर्खास्त करने की मांग की। इस पर हंगामा हुआ और सदन 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया। वहीं, मामला बढ़ने पर कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा, मैंने संविधान बदलने की बात नहीं कही। ये लोग (बीजेपी) गलत बातें फैला रहे हैं। हमारी राष्ट्रीय पार्टी है। इससे पहले शाह ने कहा था कि- पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में बहुत कुछ बदला। आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर में उग्रवाद नासूर बने थे। हमें पिछली सरकार ने इसे विरासत में दिया था। 2014 में हमारी सरकार बनी तो हमने तीनों मोर्चों पर मुकाबला किया। जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं से हुई मौतों में 70 फीसदी कमी आई है। डीएमके सांसदों की टीशर्ट पर परिसीमन के विरोध में नारे लिखे थे। टीशर्ट पर लिखा था- तमिलनाडु लड़ेगा और जीतेगा। यह देखकर स्पीकर ओम बिरला नाराज हो गए। उन्होंने चेतावनी दी कि सांसद जब टीशर्ट बदलकर आएंगे तभी सदन चलेगा। बजट सत्र के छठे दिन गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आतंकी घटनाओं पर केंद्र सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा- पहले आतंकवादियों का महिमामंडन किया जाता था, लेकिन अब नहीं।

मुख्य आरोपी फहीम के घर चला बुलडोजर

● 500 दंगाइयों को भड़काने का आरोप,देशद्रोह का केस

मुंबई (एजेंसी)। औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर नागपुर में हुई हिंसा के मुख्य आरोपी फहीम खान के घर पर सोमवार को बुलडोजर चलाया गया। हिंसा के एक और आरोपी यूसुफ शेख के घर का अवैध निर्माण भी तोड़ा गया है। नागपुर नगर निगम ने संजय बाग कॉलोनी, यशोधरा नगर में मौजूद फहीम के मकान का अवैध निर्माण हटाने के लिए रविवार को 24 घंटे का समय दिया था, जो सोमवार को पूरा हो गया। फहीम का मकान उसकी पत्नी के नाम पर है। नगर

निगम ने इसकी बिल्डिंग परमीशन अप्रूवल में गड़बड़ी को लेकर कार्रवाई का नोटिस दिया था। नागपुर में 17 मार्च को औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर विवाद के बाद हिंसा हुई है। 6 आरोपियों के खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज है।

स्वदेशी मोबाइल चिप पर चीन का दबदबा होगा खत्म !

● भारत की तरफ से काम शुरू, सरकार की है बड़ी तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्मार्टफोन मार्केट की बात होती है भारत का जिक्र जरूर होता है। क्योंकि भारत एक बड़ी स्मार्टफोन मार्केट है और हर कंपनी इसमें एंट्री करना चाहती है। बढ़ती डिमांड और यूजर्स को ध्यान में रखते हुए सरकार की तरफ से एक नई शुरुआत की गई है। इसमें मोबाइल चिप पर काम किया जा रहा है। अभी तक इस मार्केट चीन और अमेरिका का दबदबा है। इसके अलावा साउथ कोरियन कंपनी सैमसंग के स्मार्टफोन भी डिमांड में रहते हैं। इन सबके बावजूद भारतीय कंपनियों के स्मार्टफोन की डिमांड नहीं रहती है। अब सरकार एक ऐसा प्लान बना रही है, जिसके तहत भारतीय मोबाइल

चिप लाई जा सकती है। मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स और डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन की तरफ से काम किया जा रहा है। खास बात है कि अब दोनों ही डिपार्टमेंट इस पर साथ आ गए हैं। दोनों की तरफ से मोबाइल चिप पर काम किया जा रहा है। 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत इस काम को पूरा किया जा रहा है। एक वरिष्ठ मिनिस्ट्री ऑफिशियल ने एजेंसी को इसकी जानकारी दी है। भारतीय चिप की मदद से स्मार्टफोन मार्केट को बूस्ट मिल सकता है। साथ ही इससे स्मार्टफोन की डिमांड में भारतीय चिप का इस्तेमाल किया जा सकता है। मिनिस्ट्री ऑफ इलेट्रॉनिक्स के सचिव एस कृष्णन ने चिप कांग्रेस में कहा, जब हम भारत में विकसित किए जा रहे मोबाइल फोन ऑपरेटिंग सिस्टम की बात कर रहे हैं, तो मोबाइल फोन के चिपसेट की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। इस दिशा में हम डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकॉम के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय इसे इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन और डिजाइन-लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के तहत समर्थन दे रहा है।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

नाइंसाफी का बुलडोजर...

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट को एक बार फिर तल्ख टिप्पणी करनी पड़ी है। हैरत की बात है कि देश की शीर्ष अदालत के बार-बार कहने के बावजूद, महाराष्ट्र से लेकर यूपी तक बुलडोजर के जरिये कथित इंसाफ की कोशिश जारी है, जबकि कानून इसकी इजाजत नहीं देता।

सुनवाई का मौका नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने जिस घटना पर कहा कि यह उसकी अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है, वह प्रयागराज की है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि नोटिस देने के 24 घंटे के भीतर उनके मकान गिरा दिए गए। इसी तरह, महाराष्ट्र के मालवण में एक कबाड़ व्यापारी के घर पर ++ बुलडोजर चलाने के मामले में भी सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय नगर परिषद को नोटिस जारी किया है। लेकिन सबसे ज्यादा चौकाती है नागपुर की घटना, जहां हाल में घटी हिंसा के आरोपियों के घर नगर निगम ने ध्वस्त करा दिए।

अधिकारों का उल्लंघन

हर जगह पुलिस-प्रशासन के काम करने का तरीका एक जैसा दिखता है। जिस भी मामले से बड़े जनसमुदाय की भावनाएं जुड़ी होती हैं, उनमें फटाफट आरोपियों की संपत्ति की नाप-जोख शुरू हो जाती है। एक दिन नोटिस जारी होता है और अगले दिन बुलडोजर पहुंच जाता है अपील करने तक का मौका नहीं दिया जाता, जो हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। नागपुर मामले में ही बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने आरोपियों की प्रॉपर्टी के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगा दी, लेकिन जब तक आदेश आता, तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

संदेह की वजह

प्रशासन का तर्क है कि निर्माण अवैध था। लेकिन, क्या बिना उचित सुनवाई के कार्रवाई करना वैध है? जो अवैध निर्माण बरसों से खड़ा है, जिस पर किसी अथॉरिटी की नजर नहीं जाती, अचानक वह इतना खतरनाक हो जाता है कि आनन-फानन में बुलडोजर चलाना पड़ता है। ऐसी ही तेजी सारे अवैध निर्माणों के खिलाफ क्यों नहीं दिखती? और इससे भी बड़ा सवाल है कि इतना बड़ा अवैध निर्माण हो कैसे जाता है? सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2024 में कहा था कि दंडात्मक उपायों के रूप में बुलडोजर कार्रवाई असंवैधानिक है एक्शन से पहले नोटिस और सुनवाई का वक्त देना होगा सुप्रीम कोर्ट ने आदेश का उल्लंघन करने वाले अफसरों पर कार्रवाई तक की चेतावनी दी थी, लेकिन इसका असर होता नहीं दिख रहा और होगा भी क्यों, जब सरकारें खुद इसे प्रमोट करेंगी। इस पर रोक लगनी चाहिए।

नशे में था रक्षित या गड्ढे से हुआ एक्सीडेंट?

गुजरात के वडोदरा में 8 लोगों को कुचलने के बाद 'एक और राउंड' और 'ओम नमः शिवाय' चिल्लाते रक्षित चौरसिया का वीडियो तो आपने देख लिया होगा। रक्षित का कहना है कि सड़क पर गड्ढे की वजह से एक्सीडेंट हुआ। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक आरोपी रक्षित ने 'भांग' खाने की बात कबूली है। पुलिस सैंपल लेकर नशे की जांच कर रही है। एक्सीडेंट के वक्त बगल की सीट पर बैठे प्रांशु चौहान से भी पुलिस पूछताछ कर रही है।

13 मार्च की रात करीब 11:15 बजे। गुजरात के वडोदरा के पॉश इलाके करेलीबाग में आम्रपाली कॉम्प्लेक्स का इलाका। एक काले रंग की तेज रफ्तार फॉक्सवैगन वर्टस कार ने 3 व्हीकल को टक्कर मारी, जिसकी चपेट में 8 लोग आ गए। एक महिला को कई फीट तक घसीटने के बाद कार रुक गई।

मौके पर मौजूद लोग कार के पास पहुंचे और वीडियो बनाने लगे। कार में 2 युवक सवार थे। कार में ड्राइवर के बगल की सीट पर बैठा युवक ड्राइवर से अपना हाथ झिड़कते हुए निकला। उसने कार चला रहे युवक की ओर इशारा करके कहा- ये पागल है ***। मैंने कुछ नहीं किया, वो गाड़ी चला रहा था। उसने किया।

इसके बाद कार चला रहा युवक भी बाहर निकलता है और जोर-जोर से चिल्लाने लगता है- Another Round (एक और चक्कर)...! निकिता-निकिता, ओम नमः शिवाय... ओम नमः शिवाय!

हादसे में 37 साल की महिला हेमाली पटेल की मौत हो गई, जो अहमदाबाद से वडोदरा एक रिश्तेदार के यहां आई थी। इसके अलावा 7 लोग घायल हुए हैं, इनमें दो बच्चे भी शामिल है। घायलों को वडोदरा के शुकन हॉस्पिटल, दोषी हॉस्पिटल, जाइडस और एसएसजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। 3 घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

मौके पर मौजूद लोगों ने रक्षित को पकड़कर पिटाई शुरू कर दी। पुलिस पहुंची तो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बगल की सीट पर बैठा प्रांशु चौहान घटनास्थल से निकल भागा था। पुलिस ने कुछ घंटे में उसे भी पकड़ लिया।

जिस कार से एक्सीडेंट हुआ उसका आरटीओ पंजीकरण नंबर GJ06RA6879 है। इसका मालिकाना हक डीऑन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के पास है, जिसके निदेशक प्रशांत बहेटी, विक्रम जैन और जिग्नेश दोषी हैं। हालांकि पुलिस ने पुष्टि की है कि कार प्रांशु चौहान के पिता की थी।

1. पुलिस का वर्जनः वडोदरा जोन-4 की डीसीपी पन्ना मोमाया ने बताया कि एक्सीडेंट के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों की जांच के लिए ब्लड सैंपल लिए। रेपिड टेस्ट में पता चला कि दोनों ने होलिका दहन के दिन ड्रग्स लिया था। मेडिकल टेस्ट कराया गया है। रिपोर्ट जल्द सामने आएगी।

पुलिस का यह भी कहना है कि रक्षित ने बयान में भांग पीने की बात कबूल की है। उसने अपने दोस्तों के साथ हादसे के कुछ घंटों पहले भांग पी थी। वडोदरा के पुलिस कमिश्नर नरसिम्हा कोमार ने कहा, 'पुलिस अधिकारी और फोरेंसिक एक्सपर्ट्स जांच कर रहे हैं। यह पता लगाने के लिए मेडिकल टेस्ट जरूरी है कि क्या वे शराब या किसी अन्य पदार्थ के नशे में थे।'

2. आरोपी का वर्जनः आरोपी रक्षित ने मीडिया को बताया, 'मैं 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से कार चला रहा था, तभी सड़क पर गड्ढों की वजह से मेरा कंट्रोल खो गया। इस वजह से हादसा हुआ। मैं नशे में नहीं था। मैं मृतक के परिवार से मिलना चाहता हूं क्योंकि मेरी गलती थी। वे जो चाहते हैं, वही होना चाहिए। मैंने कोई पार्टी नहीं की। मैं होलिका दहन के लिए गया था और नशे में नहीं था।

3. स्थानीय समाचार पत्र का वर्जनः एक स्थानीय समाचार पत्र की मानें तो आरोपी ने दुर्घटना के बाद कार की खिड़की से सड़क पर इम्पोर्टेड वोडका की बोतल फेंकी थी। बोतल स्वीडिश थी और सड़क के डिवाइडर से टकरा गई थी। यह किसी के शराब परमिट पर बेची गई बोतल थी।

पुलिस ने ब्लड सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए हैं। जल्द ही पता लग जाएगा कि आरोपी नशे में था या नहीं और उसने किस तरह का नशा किया था।

एक्सीडेंट के बाद रक्षित ने जोर-जोर से चिल्लाकर तीन चीजें कहीं- 'एक और राउंड', 'निकिता' और 'ओम नमः शिवाय'। जब रक्षित से चिल्लाने के बारे में सवाल किया गया तो उसने कहा, वहां कई सारे लोग थे। वो उन्हें दूर भगाने के लिए चिल्ला रहा था।

निकिता नाम की लड़की को लेकर सवाल पूछा गया तो रक्षित ने कहा- 'मैं बहुत घबराया हुआ था, इसलिए लड़की का नाम मुंह से निकल गया। लड़की कोई नहीं है।'

हालांकि जिस तरह से रक्षित ने रैंडम नाम लिए और बिहेवियर दिखाया, वो आमतौर पर नशे में धुत होने के लक्षण हैं। भांग, गांजा और शराब का प्रमुख लक्षण यही है कि खुद पर कंट्रोल नहीं रहता। व्यक्ति क्या बोल रहा है और क्या कर रहा है उसमें समन्वय नहीं बिठा पाता।

रक्षित ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर महादेव की तस्वीर लगा रखी है। नशे में व्यक्ति की भावनाएं अतिरंजित या अप्रत्याशित हो सकती हैं, इसलिए रक्षित ने भी ओम नमः शिवाय बोलना शुरू कर दिया होगा। या हो सकता है उसके दिमाग में कहीं ये बात हो कि शायद ऐसे धार्मिक नारे लगाने से भीड़ उसे ना पीटे और वो वहां से आसानी से निकल जाए।

वडोदरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ BNS की धारा 105, 281, 125 (A), 125 (B), 324 (5) और मोटर वाहन अधिनियम 1988 के सेक्शन 177 और 184 के तहत केस दर्ज किया है। ये ड्रंकेन ड्राइव, हिट एंड रन और गैर-इरादतन हत्या से जुड़ी धाराएं हैं।

धारा 105: गैर इरादतन हत्या के आरोपियों पर लगाई जाती है। गैर इरादतन हत्या का मतलब जब आरोपी का मर्डर करने का पहले से कोई प्लान नहीं होता है, लेकिन जब वो अपराध करता है तो उसे इसकी जानकारी होती है कि इससे मौत हो सकती है।

धारा 105 गैर जमानती है। यानी पुलिस बिना किसी वारंट के आरोपी को गिरफ्तार कर सकती है। इस मामले में पुलिस बेल नहीं दे सकती। हालांकि कोर्ट से बेल मिल जाती है। इसके तहत दोषी माने जाने पर कम से कम 5 साल की सजा या उम्रकैद तक हो सकती है। साथ ही इसमें अपराध की गंभीरता को देखते हुए जुर्माना भी लगाया जाता है।

धारा 281: जो कोई व्यक्ति सार्वजनिक रास्तों पर इतनी लापरवाही से गाड़ी चलाता है कि किसी इंसान की जान को खतरा हो सकता है, तो इस धारा में केस दर्ज होता है। इसके तहत 6 महीने की जेल, 1 हजार रुपए का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

धारा 125 (A) और 125 (B): BNS की धारा 125 के तहत सजा अपराध की गंभीरता पर निर्भर करती है।

125 (A) के तहत अगर किसी व्यक्ति को मामूली चोट लगती है, तो दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति को 6 महीने की कैद या 5 हजार रुपए जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

125 (B) के तहत किसी व्यक्ति को गंभीर चोट लगने पर दोषी को 3 साल तक की कैद या 10 हजार रुपए तक जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

धारा 324 (5): अगर कोई व्यक्ति शरारत करता है जिससे किसी व्यक्ति का 1 लाख रुपए या उससे ज्यादा का नुकसान होता है तो 5 साल की जेल और जुर्माने की सजा मिलती है।

इसके अलावा मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 177 के तहत सामान्य यातायात उल्लंघनों के पहले अपराध के लिए 500 रुपए तक और दूसरे अपराध के लिए 1500 रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है।

वहीं, धारा 184 के तहत खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने पर 1 साल तक की जेल या 5 हजार रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। दोबारा अपराध करने पर सजा और जुर्माना दोनों बढ़ सकते हैं।

सारा संसार

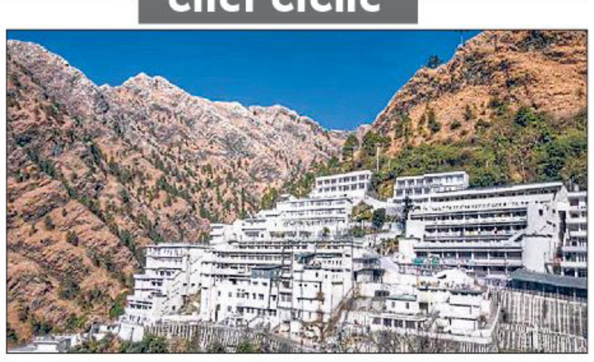

जम्मू कश्मीर राज्य में त्रिकुटा पहाड़ियों में समुद्रतल से 15 किमी की ऊंचाई पर स्थित माता वैष्णोदेवी मंदिर भारत के प्रसिद्ध चमत्कारी मंदिर में से एक है, जो हिंदू धर्म के लोगों के लिए आध्यात्मिकता और श्रद्धा से भरपूर है। यहाँ हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन और फरियादें लेकर आते है।

मानव अपनी दौड़ को सीमित करे

संकलित दर्शन

सिकन्दर को एक महात्मा ने कहा, तुम भारत को जीत कर क्या करोगे? सिकंदर ने कहा, पहले मैं अफगानिस्तान जीतूंगा। महात्मा ने पूछा फिर? फिर मैं उजबेकिस्तान, रुस आदि देश जीतूंगा। महात्मा ने पूछा फिर? सिकन्दर बोला फिर मैं आराम करूंगा। महात्मा ने कहा अगर तुम इतना सब करके ही आराम करने वाले हो तो आज ही आराम करो तो क्या कठिनाई है? सिकन्दर कोई उत्तर नहीं दे सका। मानव की एक तृष्णा होती है अप्राप्त को प्राप्त करने की। इस तृष्णा के अन्तर्गत जीवन भर वह भाग दौड़ करता ही रहता है, फिर भी जब उसकी मृत्यु होती है, तो उस समय तक बहुत कुछ अप्राप्त ही रह जाता है। विश्व और विश्व के उपादान इतने विस्तृत है कि कोई भी व्यक्ति उन्हें पूर्ण रुप से प्राप्त नहीं कर सकता, यह स्पष्ट होते हुए भी मानव अपनी तृष्णा को निरन्तर बढ़ाता ही रहता है। आराम-सुख-शान्ति-आनन्द ये तत्व तो उसके लिए दुर्लभ ही हो जाते हैं क्यों कि वह तो जीवनभर अर्जन करने में ही जुटा रहता है। और ऐसा करते-करते ही अपना मानव जीवन बिताकर दुनियां से चला जाता है। प्राचीनकाल से मनुष्य वस्तुओं का परिवार के लिए संचय ही करते आया है। इस संचय का वह सीमित लाभ ही उठा पाता है। जानते हुए भी मनुष्य की प्रवृत्ति संचय की होती है। शास्त्रों का संदेश है। मानव अपनी दौड़ को सीमित करें।

-कांतिलाल मांडोत, सूरत

जब काम बड़ा हो तो बुद्धि से काम लेना चाहिए

संकलित प्रेरणा

गणेश जी प्रथम पूज्य हैं और इससे संबंधित एक कथा है। शास्त्रों के मुताबिक, एक दिन गणेश जी और कार्तिकेय स्वामी के बीच प्रतियोगिता हुई कि कौन सबसे पहले संसार का चक्कर लगाकर लौटता है। कार्तिकेय स्वामी का वाहन मयूर यानी मोर है और गणेश जी का वाहन चूहा है, जो कि मोर की अपेक्षा बहुत धीरे चलता है। कार्तिकेय तो अपने वाहन मयूर पर बैठकर उड़ गए, लेकिन गणेश जी का वाहन चूहा है तो उन्होंने विचार किया कि अगर मैं चूहे पर बैठकर संसार की परिक्रमा करूंगा तो बहुत समय लग जाएगा, कार्तिकेय ये प्रतियोगिता जीत जाएंगे। उन्होंने कुछ सोचा और फिर शिव-पार्वती की परिक्रमा करनी शुरू कर दी। गणेश जी ने कहा कि मेरा संसार को मेरे माता-पिता ही हैं। गणेश जी की बुद्धिमानी से शिव जी इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने अपने पुत्र गणेश को प्रथम पूज्य होने का वरदान दे दिया। हालांकि इस बात से कार्तिकेय स्वामी गणेश जी के साथ ही शिव-पार्वती से भी नाराज हो गए थे। नाराज होकर कार्तिकेय स्वामी क्रौंच पर्वत पर रहने चले गए। ये पर्वत वर्तमान में मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग जहां है, वहां स्थित है। गणेश जी तो प्रथम पूज्य बन गए, लेकिन नाराज कार्तिकेय को मनाने के लिए शिव-पार्वती ने बहुत कोशिशें कीं। जब कार्तिकेय स्वामी की नाराजगी दूर नहीं हुई, तब शिव-पार्वती ने तय किया कि अब से वे हर अमावस्या और पूर्णिमा पर बारी-बारी से कार्तिकेय से मिलने पहुंचेंगे। मान्यता है कि इसी कथा की वजह से मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग में शिव-पार्वती ज्योति स्वरूप में विराजित रहते हैं।

हैप्पीनेस

डॉ. राजेश के. पिलानिया

खुशी की सरल-कठिन चुनौती

खुशी के बारे में सरल बात यह है कि यह बहुत कठिन है खुशी के बारे में कठिन बात यह है कि यह बहुत सरल है!

खुशी को अक्सर जीवन का अंतिम लक्ष्य बताया जाता है। हम में से ज्यादातर लोग खुशी की तलाश करना चाहते हैं, लेकिन फिर भी, हमारे आसपास बहुत सारा तनाव और नाखुशी है। खुशी की यात्रा को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक चुनौती है खुशी की सरल-कठिन चुनौती। अपने पंद्रह साल के खुशी के काम में, मैंने लोगों के दो बड़े समूह देखे हैं: जो लोग खुश हैं और जो लोग खुश नहीं हैं। जब मैं नाखुश लोगों से मिलता हूं, तो मैं एक आम समस्या देखता हूं, जिसे मैं खुशी की सरल-कठिन चुनौती कहता हूं।

अपने संवादों में, मैं नाखुश लोगों की बात धैर्य से सुनता हूं।

लोगों का एक समूह ऐसा है जो कहता है,

"खुशी बस खुश रहना है।" "खुशी बस मन की स्थिति है।" "खुशी मेरे अंदर है।" "खुशी के बारे में क्या सीखना है?" और इसी तरह, ये लोग सोचते हैं कि खुशी आसान और सरल है, इसे हल्के में लेते हैं, और इसका अभ्यास नहीं करते। जब मैं उनसे पूछता हूं कि क्या वे खुश हैं, तो ज्यादातर स्वीकार करते हैं कि वे नहीं हैं। लोगों का एक दूसरा समूह है जो कहता है,

"खुशी बहुत मुश्किल है।" "पता नहीं खुश कैसे रहें।" "खुशी मेरे लिए नहीं है।" "मुझे यकीन नहीं है कि मैं खुश हो सकता हूं।"

"पहले मुझे अपनी जिम्मेदारियां, काम संभालना है, और बाद में खुशी।"

"मोक्ष और निर्वाण प्राप्त करना इतना असंभव है।" और इसी तरह, ये लोग सोचते हैं कि खुशी मुश्किल और जटिल है। जब मैं उनसे पूछता हूं कि क्या वे खुश हैं, तो ज्यादातर स्वीकार करते हैं कि वे नहीं हैं। वे खुश होने को निकट भविष्य में एक संभावना के रूप में नहीं देखते और खुश होने की कोशिश करने से पहले ही हार मान लेते हैं। यही है जिसे मैं सरल-कठिन चुनौती कहता हूं, यानी कुछ लोग इसलिए नाखुश हैं क्योंकि वे सोचते हैं कि खुशी आसान है, इसे हल्के में लेते हैं, और इसका अभ्यास नहीं करते। दूसरे लोग इसलिए, नाखुश हैं क्योंकि वे सोचते हैं कि खुशी मुश्किल है और इसे आजमाते ही नहीं। यह खुशी के अनुशासन या हमारे लिए अच्छा नहीं है। हमें खुशी का एक यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना होगा। खुशी न तो उतनी सरल है और न ही उतनी मुश्किल जितना हम सोचते हैं। हमें यह जागरूकता होनी चाहिए कि स्थायी खुशी मुश्किल है, लेकिन इसे छोटे कदमों से शुरू करके और निरंतरता बनाए रखकर आसान बनाया जा सकता है। व्यवहार विज्ञान में शोध दिखाता है कि छोटे से शुरू करके हमारे व्यवहार को बदलना संभव है। मस्तिष्क विज्ञान में शोध यह भी दिखाता है कि जब हम छोटे कदमों से शुरू करते हैं जो कम ऊर्जा लेते हैं, तो हमारा मस्तिष्क इसका समर्थन करता है। खुशी की यात्रा पर रोजाना छोटे कदम उठाकर और इसका आनंद लेकर, निरंतरता बनाए रखते हुए, हम प्रभावी ढंग से खुशी की यात्रा को आगे बढ़ा सकते हैं। खुशी के बारे में सही ज्ञान प्राप्त करके, इसके सकारात्मक प्रभाव को महसूस करके, इसे अधिक गंभीरता से लेकर, इसे अपना समय, ऊर्जा और ध्यान देकर, छोटे कदमों से शुरू करके लेकिन निरंतर बने रहकर, हम खुशी की यात्रा को सफलतापूर्वक पार कर सकते हैं और रास्ते में आने वाली चुनौतियों, जैसे कि खुशी की सरल-कठिन चुनौती, का ध्यान रख सकते हैं।

(लेखक प्रोफेसर, मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, गुड़गांव हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन

आज की पाती

सकारात्मक सोच से दूर होगा डिप्रेशन

आधुनिकता और भौतिकतावाद की अंधी दौड़ में आज बहुत से लोग डिप्रेशन के शिकार हो रहे हैं। यह भी सच है कि जब किसी को दो वक्त की रोटी नसीब न हो पाए, बच्चों की पढ़ाई का खर्च पूरा न हो पाए या फिर दूसरे जरूरी खर्च पूरे न हो पाए तो ऐसी परिस्थितियों में कोई भी व्यक्ति तनाव में आ सकता है। फिर भी कोशिश करनी चाहिए कि दिल-दिमाग पर तनाव हावी न हो पाए, क्योंकि तनाव लेने से किसी भी समस्या का हल तो नहीं निकल सकता। डिप्रेशन बहुत से लोगों की जान का दुश्मन बनता जा रहा है। कोई डिप्रेशन का शिकार न हो, इसके लिए किसी को भी न तो घर-परिवार में और न ही अपने ऑफिस में नकारात्मक बातें करनी चाहिए। सकारात्मक सोच से ही डिप्रेशन दूर होगा।

- रविंद्र जोशी, बिलासपुर

ट्रेंड

अलगाववाद अब इतिहास

कश्मीर में अलगाववाद इतिहास बन चुका है। हुर्रियत से जुड़े दो संगठनों ने अलगाववाद से सभी संबंध तोड़ने की घोषणा की है। मैं भारत की एकता को मजबूत करने की दिशा में इस कदम का स्वागत करता हूं और ऐसे सभी समूहों से आग्रह करता हूं कि वे आगे आएं।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

दिल्ली का होगा विकास

हमारी सरकार का संकल्प है कि विकसित दिल्ली बजट में सिर्फ वादे नहीं, बल्कि मजबूत नींव डाली जाएगी। स्मार्ट इंफ्रा, सुगम सड़कें और स्टील लेन कनेक्टिविटी के साथ अब दिल्ली होगी और अधिक विकसित और सुविधाजनक।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

सोना सुरक्षित निवेश

जब भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में बहुत अनिश्चितता होती है, तो सोने की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच जाती है। सबसे सुरक्षित निवेश के रूप में, सोना चमकने वाला है।

-अनिल अग्रवाल, उद्यमी

ब्रह्मांड का हिस्सा

आप इस विशाल ब्रह्मांड का एक छोटा सा महत्वहीन हिस्सा है... फिर भी इस क्षण आपके अस्तित्व के बिना ब्रह्मांड का ताना-बाना ढह जाएगा... आप इस क्षण में इतने महत्वपूर्ण है।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

न्यूयार्क में मनाया गया बिहार दिवस

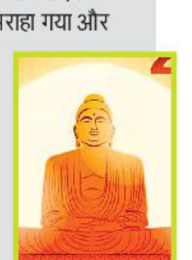

न्यूयॉर्क में 'बिहार दिवस' मनाने के लिए शनिवार को आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में बिहार की संस्कृति एवं विरासत को सराहा गया और राज्य से संबंध रखने वाले प्रवासी भारतीय समुदाय के चार विशिष्ट सदस्यों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों एवं योगदान के लिए सम्मानित किया गया। 'बिहार फाउंडेशन यूएसए' (ईस्ट कोस्ट) ने बताया कि यह आयोजन उसके, भारतीय वाणिज्यदूतावास और 'बिहार-झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका' (बीजेएएनए) के सहयोग से किया गया। इसमें भारतीय-अमेरिकी समुदाय के 130 से अधिक सदस्य शामिल हुए जिन्होंने बिहार की संस्कृति, उसके द्वारा की गई प्रगति और दुनियाभर में उसकी बढ़ती मौजूदगी को सराहा। इस अवसर पर महेश कुमार ('टाइगर एनालिटिक्स' के संस्थापक), डॉ. अभिषेक तिवारी ('कैपीएमजी' कंपनी के 'ग्लोबल हेड ऑफ पीपल'), शरद कुमार ('बैंक ऑफ अमेरिका' के प्रबंध निदेशक) और कृषि वैज्ञानिक डॉ. प्रकाश झा को 'बिहार विश्व गौरव सम्मान' दिया गया। इन सभी को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), वित्त, कृषि और नेतृत्व के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया।

ऑफ बीट

जिम की जगह खुद घर पर कर सकते हैं व्यायाम

जीवन यापन की बढ़ती लागत के साथ, जिम की सदस्यता और फिटनेस कक्षाएं तेजी से अप्राप्य होती जा रही हैं। लेकिन अच्छी खबर यह है कि आप घर पर भी खुद से व्यायाम करके उतनी ही प्रगति कर सकते हैं।

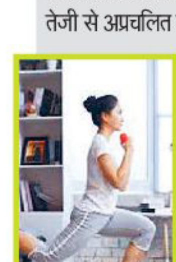

हृदय सहनशक्ति, मांसपेशियों की ताकत और लचीलापन फिटनेस के सबसे महत्वपूर्ण घटक है। और प्रत्येक को बहुत कम या बिना किसी उपकरण के खुद से किया जा सकता है। हृदय सहनशक्ति व्यायाम हृदय और फेफड़ों को काम करने वाली मांसपेशियों को ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने के लिए मजबूर करता है। पैदल चलना, जॉगिंग और दौड़ना बढ़िया विकल्प है, वैसे ही साइकिल चलाना, रस्सी कूदना और तैराकी भी है। लचीलापन और मांसपेशियों की ताकत, जिसे हम प्रतिरोध व्यायाम के माध्यम से प्रशिक्षित करते है। यह हड्डियों के स्वास्थ्य, संतुलन और चयापचय स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर जब हमारी उम्र बढ़ती है और हमारी मांसपेशियों और ताकत में गिरावट आती है। स्क्वैट्स - कूल्हों, घुटनों और टखनों को मोड़कर खड़े होने से लेकर छाती को ऊपर रखते हुए कूल्हों, घुटनों और टखनों को सीधा करके खड़े होने तक। बेहतर लचीलापन आपकी गति की सीमा को बढ़ा सकता है और दैनिक जीवन को प्रबंधित करने की आपकी क्षमता में सुधार कर सकता है।

रॉयल पत्रिका

महिलाएं स्वास्थ्य के प्रति रहे हर समय जागरूक - अभिनेत्री अमृता राव

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री अमृता राव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का आयोजन मिताली इवेंट्स के सहयोग से महिलाओं की आत्मशक्ति, स्वास्थ्य और संस्कृति पर जोर देने के लिए किया गया।

अमृता राव का स्वागत गीतांजली हॉस्पिटल के हेड ऑफ मार्केटिंग कल्पेश चन्द रजबार ने किया। अपने संबोधन में अभिनेत्री ने कहा कि हर महिला को सभ्यता और संस्कृति के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने महिलाओं को आह्वान किया कि वे खुद की देखभाल को नजरअंदाज न करें।

इस अवसर पर स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना वर्मा ने अपने 25 वर्षों के अनुभव को साझा करते हुए महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता व लेप्रोस्कोपिक ऑपरेशन के महत्व को बताया| उन्होंने कहा कि नियमित जांच और संतुलित जीवनशैली महिलाओं को कई गंभीर बीमारियों से बचा सकती है। वहीं, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या चौधरी ने महिलाओं में होने वाली सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में विस्तार से बताया और लेप्रोस्कोपिक ऑपरेशन की जानकारी दी।

त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. राशी अग्रवाल ने 'रेनबो प्लेट' के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि संतुलित और रंग-बिरंगा भोजन त्वचा की सेहत के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी महिलाओं से आह्वान किया कि वे अपने आहार में सभी रंगों के फल-सब्जियों को शामिल करें।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और स्वास्थ्य, सौंदर्य व आत्मशक्ति से जुड़ी उपयोगी जानकारियाँ प्राप्त कीं।

भारतीय समाज सेवा संस्था का जयपुर जिला अध्यक्ष पद पर दिनेश प्रजापत को मनोनीत किया

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। भारतीय समाज सेवा संस्था का विस्तार अब पूरे देश में हो रहा है, इसी क्रम में राजस्थान में भी राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल यादव के निर्देश अनुसार राजस्थान प्रदेश के उपाध्यक्ष फिरोज खान वारसी द्वारा प्रदेश भर में सदस्यता अभियान चला कर लोगों को जोड़ा जा रहा है और आमजन की समस्याओ की आवाज बुलंद की जा रही है इसी कड़ी में फिरोज खान वारसी ने सांगानेर तहसील के श्रीरामपुरा निवासी दिनेश प्रजापत को जयपुर जिला अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया,प्रदेश उपाध्यक्ष फिरोज खान वारसी ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था हमेशा जनहित के कार्य करती आई है आगे भी करती रहेगी हमारा मुख्य उद्देश्य लोगों की आवाज बनाना है साथ ही जयपुर जिला अध्यक्ष दिनेश प्रजापत ने बताया कि संस्था के बारे में अकसर अखबार के माध्यम से जानकारी मिलती रहती है और संस्था के अच्छे कार्यों को देखते हुए ही संस्था से जुड़कर लोगों की मदद करने का संकल्प लिया है इसी के साथ प्रजापत ने

संस्था में जगह देने पर संस्था के पदाधिकारीयों का आभार व्यक्त किया है।

सूचना केंद्र में आयोजित हुआ महिला सम्मेलन

झुंझुनू, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान स्थापना दिवस सप्ताह के उपलक्ष्य में मंगलवार को बाड़मेर के आदर्श स्टेडियम में प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसका वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रसारण सूचना केंद्र में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में किया गया। समारोह में जिला प्रमुख हर्षनी कुल्हरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य, बनवारी लाल सैनी, प्यारेलाल ढूकिया, कमलकांत शर्मा, आईसीडीएस के उपनिदेशक विजेंद्र सिंह राठौड़, महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक विप्लव न्योला उपस्थित रहे।

महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक विप्लव न्यौला ने बताया कि इस दौरान उच्च शिक्षा विभाग की कालीबाई भील योजना के अन्तर्गत बालिकाओं को स्कूटी वितरण का वितरण किया गया। इसके बाद लाडो प्रोत्साहन योजना का डीबीटी वितरण, अति कुपोषित बच्चों के लिए टेक होम राशन में दूध 15 ग्राम से 25 ग्राम देने, बर्तन बैंक योजना, सोलर दीदी, महिला समूहों को सीआईएफ राशि का हस्तांतरण, इंडेक्शन कुक टाप का वितरण, महिला महाविद्यालयों में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने हेतु पुस्तकालय/रीडिंग रूम उपलब्ध कराने, विवेकानंद स्कॉलरशिप के चयन पत्रों का वितरण, महिलाओं को रसोई गैस सब्सिडी का वितरण भी लाभार्थियों को वर्चुअल रूप से किया गया।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव - राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन में महिलाओं को दिया संबल

बारां, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत आदर्श स्टेडियम, बाड़मेर में राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न महिला और बालिका सशक्तिकरण योजनाओं के तहत 200 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का हस्तांतरण किया।मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 1.10 करोड़ परिवारों को 200 करोड़ रुपये की एलपीजी सब्सिडी, 31,790 बालिकाओं को गार्गी पुरस्कार, बालिका प्रोत्साहन एवं मुख्यमंत्री हमारी बेटियाँ योजना में 13.16 करोड़ रुपये, 18,300 महिला समूहों को 100 करोड़ रुपये का वित्तीय सहयोग, 30,000 बालिकाओं को लाडो प्रोत्साहन योजना में 7.5 करोड़ रुपये, 5,000 मेधावी छात्राओं को कालीबाई भील योजना में स्कूटी, 5,000 महिलाओं को इंडक्शन कुक टॉप का वितरण और स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप योजना के तहत सहायता प्रदान की। इसके साथ ही, प्रत्येक ग्राम पंचायत को बर्तन बैंक योजना के तहत 1 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई।**बारां में जिला स्तरीय कार्यक्रम**

जिला स्तरीय समारोह जिला परिषद भवन, बारां में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। जिसमें उप जिला प्रमुख छीतरलाल मेघवाल, समाजसेवी नंदलाल सुमन, एडीएम दिवांशु शर्मा, महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक सतीश परिहार, महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक निदेशक रवि मित्तल सहित विभिन्न अधिकारी व बड़ी संख्या में महिला लाभार्थी उपस्थित रहे।जिला परिषद के सीईओ राजवीर सिंह चौधरी ने बताया कि जिले में कालीबाई भील स्कूटी योजना के तहत मौके पर 19 छात्राओं को स्कूटी वितरित की गई। राजीविका स्वयं सहायता समूह के 43 समूहों को 13.65 लाख रुपये के चेक दिए गए। लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी को 2500 रुपये की राशि प्रदान की गई, जबकि कुक टॉप योजना के तहत 11 महिलाओं को इंडक्शन कुक टॉप वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री अमृत आहार दुग्ध वितरण योजना के तहत 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए दूध की मात्रा 15 ग्राम से बढ़ाकर 25 ग्राम कर दी गई है, जिससे बच्चों को बेहतर पोषण मिलेगा।**महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम**मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान सरकार महिलाओं और बालिकाओं के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

हत्या के फरार आरोपी को मकराना पुलिस ने किया गिरफ्तार, जिला साइबर टीम का रहा मुख्य योगदान

मकराना (रॉयल पत्रिका)। पुलिस ने मकराना में हुए एक सनसनीखेज हत्या के मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी मोहम्मद कासिम को गिरफ्तार किया है। घटना 10 मार्च 2025 को कस्बे में हुई थी जिसमें आरोपी ने एक व्यक्ति पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस के अनुसार 10 मार्च 2025 को श्रीमती मुमताज ने मकराना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि सुबह करीब 10:15 बजे उनके घर में उनका बेटा मोहम्मद आरिश उर्फ मो. आसिफ, छोटा बेटा विरू उर्फ सद्दाम और साहबान मौजूद थे। उस समय उनके पिता अब्दुल समद मजदूरी के लिए गए हुए थे तभी कासिम पुत्र निजाम चौधरी निवासी चमनपुरा मकराना उनके घर आया। कासिम ने आरिश से एक मोटरसाइकिल को लेकर विवाद शुरू किया जो उसने एक साल पहले दी थी और कुछ दिन पहले गायब हो गई थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, गुस्से में आकर कासिम ने आरिश पर चाकू से हमला कर दिया और उसके सीने में दो-तीन बार वार किया। उसके बाद वह घर से भाग गया। मुमताज और उनके बच्चों ने कासिम को पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर फरार हो गया। घायल आरिश को पड़ोसी की मदद से अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारी हनुमान प्रसाद आईपीएस और महानिरीक्षक पुलिस अजमेर रेंज ओमप्रकाश आईपीएस के निर्देशन में त्वरित कार्रवाई शुरू की गई। थानाधिकारी मकराना सुरेश कुमार सोनी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। थानाधिकारी सुरेश कुमार सोनी ने बताया कि टीम ने 15 दिनों तक अथक प्रयास करते हुए करीब 1000 सीसीटीवी फुटेज की जांच की और तकनीकी साधनों का उपयोग कर आरोपी का पीछा किया। इस दौरान एक टीम को भोपाल भेजा गया था। 24 मार्च 2025 को उक्त टीम को जरिए मुखबिर की सूचना मिली कि कासिम जयपुर की ओर जा सकता है। जिसका पीछा करते हुए उक्त टीम ने जयपुर से किशनगढ़ की तरफ जाने की फिराक में बोरावड़ रेलवे स्टेशन के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर मकराना लाया गया। जहां उससे पूछताछ जारी है। थानाधिकारी सोनी ने बताया कि इस कार्यवाही में उल्लेखनीय तकनीकी सहायता जिला साइबर टीम प्रभारी हेड कांस्टेबल श्री प्रेम व उनकी टीम द्वारा उपलब्ध करवायी गयी। पुलिस टीम में थानाधिकारी सुरेश कुमार सोनी, हेड कांस्टेबल नेमीचंद, कांस्टेबल लतीफ खान, सलीम मोहम्मद, रामेश्वर लाल, सुरेश कुमार, सुखदेव, केसाराम शामिल रहे।

एनीमिया से बचाने के लिए पिलाई आयरन की खुराक

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। एनीमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के तहत बच्चों, किशोर-किशोरियों, प्रजनन उम्र की महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनीमिया की दर कम करने के लिए प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस के रूप आयोजित किया जा रहा है इसी क्रम में मंगलवार को जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों, आंगनवाड़ी केंद्रों पर शक्ति दिवस का आयोजन किया गया। जिले के सभी जिला चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, हैल्थ वेलनेस सेंटर पर नियमित ओपीडी के अलावा मरीजों के हिमोग्लोबीन की जांच और उपचार किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि सभी महिलाओं, गर्भवतियों, धात्री माताओं, किशोरियों को शक्ति दिवस के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि शक्ति दिवस का मुख्य उद्देश्य समुदाय व लाभार्थियों में अनीमिया नियंत्रण के लिए स्क्रीनिंग, हिमोग्लोबीन की जांच, उपचार तथा एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आयरन स्वास्थ्य के लिए किस प्रकार आवश्यक है और इसकी कमी होने से किस प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। कार्यक्रम में महिलाओं, गर्भवतियों, धात्री माताओं, किशोरियों का हीमोग्लोबिन जांच कर आयरन की दवाएं दी गई।

मुख स्वास्थ्य के प्रति लोगों को किया जा रहा जागरूक

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिले में विश्व मुख स्वास्थ्य सप्ताह के तहत विभिन्न गतिविधियां का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ.विकास मारवाल ने बताया कि चिकित्सा विभाग की ओर से 20 मार्च से 26 मार्च 2025 तक जिले भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इसी क्रम में पाली के बांगड़ अस्पताल में दंतरोग विशेषज्ञ डॉ. रामनिवास कुमावत, डॉ. आनन्द सिंह राठौड़, डॉ. अनिरूद्ध शर्मा, डॉ. टाईनी जैन द्वारा आमजन को मुख स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया जा रहा है। साथ ही मुख स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत लोगों की स्क्रीनिंग की गई और मुंह की जांच की गई। इसी क्रम में एएनएम जिला प्रशिक्षण केंद्र में संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें बांगड़ चिकित्सालय में कार्यरत दंत रोग विशेषज्ञ एवं राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम की जिला नोडल अधिकारी डॉ. .टाईनी जैन ने कहा कि राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत एएनएम को मुख स्वास्थ्य एवं तंबाकू नियंत्रण पर विशेष सतर्कता बरतने एवं सामान्य जन को इस विषय पर प्रशिक्षित करते हुए आमजन को जागरूक करने की आवश्यकता है ताकि ओरल कैंसर जैसी भयावह बीमारी से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि एएनएम के माध्यम से बच्चों व गर्भवती महिलाओं के मुख संबंधित रोग की जानकारी देकर जागरूक किया जा सकें। इस मौके पर मुख कैंसर की जांच एवं जागरूकता संबंधित प्रशिक्षण भी दिया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से समुदाय में मुख स्वास्थ्य की जागरूकता बढ़ाना,मुख कैंसर की रोकथाम और तंबाकू उन्मूलन को प्रोत्साहित करना है, जिससे स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दिया जा सकें। डेंटल हाईजिनिष्ट गुलशन मेहता द्वारा एएनएम प्रशिक्षणार्थियों को मुख स्वास्थ्य की महत्ता के बारे में, ओरल हाइजिन, टूथब्रूश, ओरल केंसर लक्षण, गर्भवती महिलाओं को ओरल हाईजिन के बारे में,तंबाकू से नुकसान व दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने वृद्धाश्रम का लिया जायजा

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार विक्रम सिंह भाटी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) द्वारा सेवा समिति द्वारा संचालित वृद्धाश्रम का विजिट कर वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

सचिव भाटी ने वृद्धाश्रम में वृद्धजनों से पृथक-पृथक रूप से वार्तालाप कर भोजन-पेयजल व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। विजिट के दौरान उन्होंने रसोई व कमरों की सफाई, स्नानघर एवं शौचालयों की साफ-सफाई व्यवस्था उत्तम पाई गई। प्रमोद जैथलिया अध्यक्ष वृद्धाश्रम सेवा समिति ने वृद्धाश्रम के भवन एवं उपलब्ध सुविधाओं के बारे में सचिव भाटी को विस्तार से जानकारी दी गई। वृद्धाश्रम में वर्तमान में 71 वरिष्ठ नागरिक आवासित है, जिनके रहने के लिए पृथक-पृथक कक्ष, बेड, पुस्तकालय इत्यादि की व्यवस्था है। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए वृद्धाश्रम में फिजियोथैरेपी की सुविधा उपलब्ध है, जहाँ मरीजों की विषय-विशेषज्ञों द्वारा जांच की जाती है। इसके अतिरिक्त आयुर्वेदिक उपचार भी उपलब्ध करवाया जाता हैं तथा नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच की जाती है। वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को संतुलित पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाया जाता है।

सचिव भाटी द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता, नालसा एवं रालसा द्वारा जारी वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों एवं कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। इस दौरान वृद्धाश्रम के अध्यक्ष प्रमोद जैथलिया, रमेश बाबानी आदि उपस्थित रहें।

राणा सांगा पर सपा सांसद द्वारा टिप्पणी पर करणी सेना ने की प्रेस वार्ता

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन की ओर से यह राणा सांगा को लेकर दिए गए विवादित बयान के चलते उनके चारों तरफ आलोचनाएं हो रही है। इसी कड़ी में अब सवाई माधोपुर में भी विरोध के सुर उठने लगे हैं। सवाई माधोपुर में करणी सेना की ओर से रामजीलाल सुमन को राजस्थान नहीं आने की चेतावनी दी। इसी के साथ ही करणी सेना ने कहा कि अगर राज्यसभा सांसद राजस्थान आए तो उनकी हालत भी भंसाली जैसी होगी। विवादित बयान को लेकर श्री राजपूत करणी सेवा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सिंह खजूरी ने रणथंभौर सर्किल स्थित अपने कार्यालय पर प्रेस वार्ता आयोजित की। जिसमें उन्होंने करनी सेना के विरोध की रणनीति से मीडिया को अवगत कराया।

इस दौरान दिलीप सिंह ने बताया कि राजस्थान में करणी सेवा की ओर से प्रत्येक जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। जिसके बाद राष्ट्रपति के नाम सभी जिला कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपा जाएगा। खिजूरी ने कहा कि करणी सेना राष्ट्रपति से सुमन की संसद की सदस्यता निरस्त करने की मांग करती है। उनकी मांग पूरी नहीं होने तक करणी सेना की ओर से लगातार विरोध प्रदर्शन जारी रखा जाएगा। मांग नहीं माने जाने की स्थिति में जयपुर में एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। जिसके बाद भी अगर उनकी मांगे नहीं मानी जाती है तो वह सर्व समाज के साथ करणी सेना दिल्ली की और कूंच करेंगी। खिजूरी ने कहा कि करणी ऐसे महापुरुष का अपमान सहन नहीं करती है। जिसने अपना संपूर्ण जीवन देशभक्ति के लिए समर्पित कर दिया था। जिन्होंने लड़ाईयां लड़ते हुए शरीर घाव लिये थे। जिन्हें भारतीय इतिहास में सैनिकों का भग्नावशेष कहा जाता है। ऐसे वीर महान प्रतापी इतिहास पुरुष का अपमान बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर के अध्यक्षता में सवाई माधोपुर जिले के विधानसभा गंगापुर सिटीबामनवास खंडार और सवाई माधोपुर विधानसभा के मंडल अध्यक्षों की बैठक सिविल लाइन सवाई माधोपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर संपन्न हुई जिसमें जिले के मंडल अध्यक्ष को बूथ स्तर तक कार्य करने का निर्देश दिया इस बारे में रूपरेखा तैयार की गई बैठक में नगर कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मंगल जिला कांग्रेस कमेटी की मीडिया प्रभारी अजय शर्मा जिला सचिव ओम सेन रामजीलाल गुर्जर एसटी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बंशीलाल मीणा मंडल अध्यक्षों में रामजीलाल गुर्जर खंडार सुरेंद्र कुमार जैन शिवाड़ सूर्य प्रकाश पाराशर सारसोप अनिल शर्मा ईसरदा राजेश मीणा जीनापुर राजेश बेरवा पाली सीताराम बेरवा मित्रपुरा रूपचंद मीना बाटोदा शेखर इसरार अली सूरवाल लक्ष्मी चंद बेरवा आलनपुर विश्राम मीणा पीपल्दा सियाराम बैरवा डीडवाडी बाबूलाल सैनी भगवतगढ़ रामजीलाल सेन सुकार ब्रजमोहन मीणा झार्रा राजेश सैनी पिपलाई हरि सिंह गुर्जर चकेरी दीनदयाल वर्मा सिसौलाव रमेश चंद मीणा कोडियाई रामेश्वर सिंह टोडरा आदि मंडल अध्यक्ष उपस्थित थे ।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा भारतीय नववर्ष को दिव्य एवं भव्य रूप से मनाया जाएगा

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय नव संवत्सर समारोह समिति के मीडिया प्रमुख सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि भारतीय नव संवत्सर समारोह समिति ने आज पत्रकार वार्ता में बताया कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा भारतीय नववर्ष को दिव्य एवं भव्य रूप से मनाया जाएगा ।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ भारतीय नव संवत्सर के महत्व को जन जन तक पहुँचाने के लिए नगर के सभी समाज के लोगों का एक विशाल कार्यक्रम उत्सव मैरिज गार्डन सर्किट हाउस रोड पर रहेगा, जिसके मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के केविनेट मंत्री व स्थानीय लोकप्रिय विधायक डॉ किरोड़ीलाल जी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ओम जी अग्रवाल (OTC वाले)करेंगे ।

महामंडलेश्वर श्री बालकानंद जी महाराज का भी आशीर्वचन प्राप्त होगा ।

वर्ष प्रतिपदा के दिन नववर्ष के शुभ संदेश देने के लिए नगर के सभी चौराहों पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के नेतृत्व में स्वागत कार्यक्रम रहेगा,समारोह समिति की महिला सहभागिता प्रमुख मीना उपाध्याय ने बताया कि समाज की विभिन्न महिला मंडल,सत्संग मंडली इस कार्यक्रम को उत्साह पूर्वक मनाएगी,समिति के संयोजक दिनेश गोहिल ने बताया कि नगर में कार्यरत विभिन्न संगठन प्रमुख चौराहों पर नववर्ष का स्वागत कर शुभकामनाएं देंगे ।समिति के मंत्री हरिप्रसाद शर्मा ने भारतीय काल गणना की वैज्ञानिकता ,ग्रहों के आधार पर हमारी पंचांग पद्धति के बारे में जानकारी दी।

ग्राम केलवाड़ा में उप जिला चिकित्सालय निर्माण हेतु भूमि आवंटित

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बारां द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से उप जिला चिकित्सालय में कमोन्नत होने के कारण उक्त प्रयोजन हेतु भूमि आवंटन की मांग पर उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार शाहबाद की अनुशंसा पर ग्राम केलवाड़ा तहसील शाहबाद की आराजी ख.न. 507 रकबा 36.09 बीघ भूमि किस्म गै०मु०पठार में से 5 एकड़ भूमि उप जिला चिकित्सालय केलवाड़ा के निर्माण हेतु चिकित्सा विभाग को आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है।

ब्याज से होने वाली कमाई पर एक अप्रैल से होगी ज्यादा बचत; स्रोत पर कर कटौती के नए नियम से लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में एक अप्रैल, 2025 से स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) के नए नियम लागू होने जा रहे हैं। इसकी घोषणा 2025-26 के बजट में की गई थी। नए वित्त वर्ष से इस नियम के लागू होने के बाद उन करदाताओं को अधिक बचत होगी, जिन्हें जमा पर ब्याज से कमाई होती है। वरिष्ठ एवं सामान्य नागरिकों,

खुदरा निवेशकों और कमीशन से आमदनी करने वालों को इन बदलावों से फायदा होगा। फिक्स्ड डिपॉजिट, लॉटरी, इंश्योरेंस कमीशन और म्यूचुअल फंड्स से होने वाली कमाई पर टीडीएस कटौती से जुड़े नियमों में अहम बदलाव किए गए हैं। नए नियमों के तहत वरिष्ठ नागरिकों के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट और रिकरिंग डिपॉजिट पर टीडीएस को सीमा को बढ़ा दिया गया है। बैंक अब तक 50,000 रुपये से अधिक के ब्याज पर टीडीएस काटते थे, लेकिन, एक अप्रैल 2025 से यह सीमा बढ़कर एक लाख रुपये हो जाएगी। इसके बाद अगर किसी वरिष्ठ नागरिक की एक वित्त वर्ष के दौरान ब्याज से होने वाली आय एक लाख रुपये तक होगी, तो बैंक उस पर कोई टीडीएस नहीं काटेंगे। बढ़ी सीमा से सामान्य नागरिकों को भी राहत

सामान्य नागरिकों को भी टीडीएस के मोर्चे पर राहत दी गई है। बैंक अब तक सालाना 40,000 रुपये से अधिक के ब्याज आय पर टीडीएस काटते थे, जिसकी सीमा बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दी गई है। यानी 50,000 रुपये से कम ब्याज आय पर अब बैंक की ओर से कोई टीडीएस नहीं काटा जाएगा।

लाभांश आय पर भी मिल सकती है रियायत

म्यूचुअल फंड्स और शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए भी नए नियम से फायदा होगा। अब तक शेयर और म्यूचुअल फंड यूनिट्स के जरिये होने वाली 5,000 रुपये से अधिक के लाभांश आय पर टीडीएस कटता रहा है। लेकिन, एक अप्रैल, 2025 से यह सीमा बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दी गई है। इसका मतलब है कि नए वित्त वर्ष से अगर निवेशक को म्यूचुअल फंड्स या कंपनियों से 10,000 रुपये तक लाभांश मिलता है, तो उस पर कोई टीडीएस नहीं कटेगा।

बीमा एजेंटों-ब्रोकर्स को भी होगा फायदा

टीडीएस नियमों में बदलाव से बीमा एजेंटों और ब्रोकर्स को भी राहत मिलने वाली है। पहले 15,000 रुपये से अधिक के इंश्योरेंस कमीशन पर टीडीएस कटता था। अब यह सीमा बढ़ाकर 20,000 रुपये कर दी गई है। इसके अलावा, लॉटरी या घुड़दौड़ से होने वाली कमाई से जुड़े टीडीएस नियमों को भी आसान बना दिया है। अब तभी टीडीएस कटेगा, जब किसी एक लेनदेन में जीत की रकम 10,000 रुपये से अधिक हो। पहले सालभर में कुल 10,000 रुपये से अधिक की आय पर टीडीएस कटता था।

निवेश मंत्राः बाजार की तेजी अस्थायी, ब्लूचिप पर ही रखें भरोसा; म्यूचुअल फंड वित्तीय लक्ष्य पाने में सहायक

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ महीनों से इक्विटी बाजार में अस्थिरता का माहौल है, जिससे लार्ज, मिड और स्मॉलकैप इंडेक्स में भारी गिरावट देखी गई है। इस गिरावट के बावजूद कई सेगमेंट लंबे समय के निवेश के लिए आकर्षक अवसर प्रदान कर रहे हैं। निवेशकों को म्यूचुअल फंड के जरिये इस समय बाजार में निवेश पर ध्यान देना चाहिए। कम अस्थिरता बड़े निवेशकों और थोड़ा जोखिम लेने वालों के लिए लार्जकैप फंड स्थिर निवेश विकल्प साबित होते हैं।

वित्तीय लक्ष्य पाने में सहायक म्यूचुअल फंड- बड़े निवेशकों के लिए मजबूत प्रदर्शन वाले आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ब्लूचिप जैसे लार्जकैप फंड बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। बाजार में मौजूदा अस्थिरता के बावजूद यह ब्लूचिप फंड निवेशकों के लिए आकर्षक और सुरक्षित विकल्प बना हुआ है। लार्जकैप में मजबूत पकड़ और वर्षों से स्थिर प्रदर्शन इसे निवेशकों की पहली पसंद बनाता है। एसआईपी के जरिये निवेश करने पर यह आपके वित्तीय लक्ष्यों को आसानी से पाने में सहायक हो सकता है।

85 फीसदी तक निवेश लार्जकैप शेयरों में

ब्लूचिप फंड का 80-85 फीसदी तक निवेश लार्जकैप शेयरों में किया जाता है। 5-10 फीसदी निवेश मिडकैप सेक्टर में होता है। प्रमुख सेक्टरों में बैंकिंग, आईटी, पेट्रोलियम, ऑटोमोबाइल और कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स शामिल हैं।

फंड हाउस कमजोर क्षेत्रों जैसे एफएमसीजी और सीमेंट सेक्टर में न्यूनतम निवेश करता है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ब्लूचिप फंड ने सात से 10 वर्षों की अवधि में औसत से अधिक रिटर्न दिया है।

शेयर मार्केट में नुकसान झेल चुके लोग अब एफडी में लगा रहे पैसा, निवेश में 23 गुना उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। निवेश के मोर्चे पर शेयर बाजार में बीते आठ से 10 महीनों के दौरान भारी गिरावट और मौजूदा दौर में उतार-चढ़ाव का दौर बना हुआ है। ऐसी स्थिति में बैंकों में सावधि जमा के प्रति लोगों का रुझान एक बार फिर बढ़ रहा है। शेयर मार्केट में नुकसान झेल चुके लोग अब एफडी में रकम लगा रहे हैं। आरबीआई की रिपोर्ट से पता चलता है कि लगातार उच्च ब्याज वाली एफडी में निवेश बढ़ रहा है और इसमें 23 गुना तक उछाल आया है। आरबीआई द्वारा जारी मासिक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2022 में बैंकों से जुड़ी विविध जमा योजनाओं के तहत सावधि जमा (एफडी) की हिस्सेदारी काफी कम थी। रिपोर्ट बताती है कि सात से 8 फीसद तक ब्याज देने वाली विविध एफडी स्कीम में महज 2.8 प्रतिशत धनराशि जमा थी, जो दिसंबर 2024 में बढ़कर 64.9 प्रतिशत हो गई है। बीते तीन वर्षों में इसमें अप्रत्याशित रूप से उछाल दर्ज किया गया है।

कम ब्याज वाली एफडी में हिस्सेदारी घटी

हालांकि, इस अवधि में पांच प्रतिशत से कम का रिटर्न देने वाली एफडी योजनाओं में जमा धनराशि का प्रतिशत कम हुआ है। इनमें मार्च 2022 में 34.2 प्रतिशत तक धनराशि जमा थी, जो दिसंबर 2024 तक गिरकर 2.9 प्रतिशत रह गई।

बैंकों का संकट कम हुआ

ऐसे में बैंकों के लिए भी जमा धनराशि की दिक्कत खत्म हो गई है। जबकि बीते वर्ष जून-जुलाई तक बैंकों के सामने जमा धनराशि का संकट था, जिसको लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी बैंकों को आगाह किया था कि वह अपने ग्राहकों के लिए आकर्षक एफडी लाएं और उन्हें पैसा जमा करने के लिए प्रोत्साहित करें, जिसके बाद बैंकों ने विशेष अभियान भी चलाया था।

भारत ने चीन के 5 प्रोडक्ट्स पर 5 साल के लिए डंपिंग रोधी शुल्क लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने घरेलू कंपनियों को चीन से आने वाले सस्ते आयात से बचाने के लिए चीन के पांच उत्पादों पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगाया है। यह शुल्क पांच साल के लिए लगाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर की सिफारिश के बाद यह फैसला लिया गया। जांच इकाई ने पाया कि इन उत्पादों को सामान्य से कम कीमतों पर चीन से आयात कर भारत में डंप किया जा रहा है। इन उत्पादों में सॉफ्ट फेराइट कोर, वैक्यूम इंसुलेटेड फ्लास्क, एल्युमीनियम फॉयल, ट्राइक्लोरो आइसोसायन्यूरिक एसिड और पॉली विनाइल क्लोराइड शामिल हैं। एल्युमीनियम फॉयल पर छह माह के लिए अस्थायी रूप से 873 डॉलर प्रति टन का डंपिंग रोधी शुल्क जबकि शेष उत्पादों पर यह 276 डॉलर से लेकर 1732 डॉलर प्रति टन तक है।

घरेलू उद्योगों को बचाने की तैयारी- टैरिफ विवाद के बीच भारत घरेलू उद्योग से जुड़ी चुनौतियों और चिंताओं को दूर करने की दिशा में कदम उठा रहा है। स्टील पर 12 फीसदी सेफगार्ड ड्यूटी (सुरक्षा शुल्क) लगाए जाने के बाद

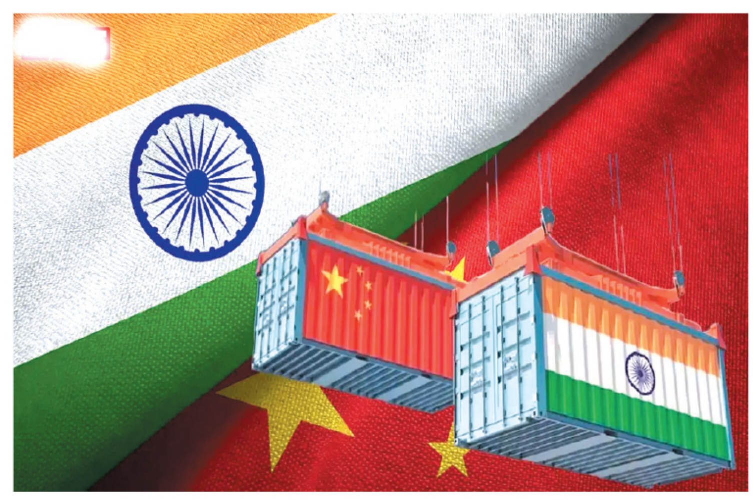

अब भारत ने चीन से आयात होने वाले पांच उत्पादों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने का फैसला लिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस फैसले से घरेलू उद्योगों को बचाने में मदद मिलेगी।

दरअसल, अमेरिका द्वारा लगाए जा रहे टैरिफ के बाद आंशका जताई जा रही थी कि चीन समेत बाकी देश सस्ती दरों पर भारत में अपने उत्पादों की सप्लाई करेंगे, जिससे घरेलू उद्योग प्रभावित होंगे। ऐसे में सरकार ने पहले स्टील के आयात पर 12 प्रतिशत का सुरक्षा शुल्क लगाने का फैसला लिया। अब डीजीटीआर की सिफारिश पर पांच अन्य चीनी उत्पादों पर पांच साल तक डंपिंग रोधी शुल्क लगाने का फैसला लिया गया है।

क्या है चीन की नीति- बीते कुछ वर्षों से देखा गया है कि चीन विश्व व्यापार संगठन की शर्तों के खिलाफ जाकर व्यापार करता है।

क्यों जरूरी है यह फैसला

सीआईआई एमएसएमई राष्ट्रीय परिषद के सह-अध्यक्ष अशोक सहगल का कहना है कि भारत सरकार के इस फैसले से देश के छोटे-मझोले (एमएसएमई) उद्योगों को सबसे ज्यादा लाभ होगा। भारत में इन उत्पादों का 80 से 90 फीसदी हिस्सा इन उद्योगों में तैयार होता है। डंपिंग रोधी शुल्क लगने से यहां तैयार उत्पादों के दाम नहीं गिरेंगे। चीनी उत्पाद को बढ़ावा कम होगा।

क्या होता है डंपिंग रोधी शुल्क

जब कोई देश अपने उत्पाद को कम कीमत पर दूसरे देश को निर्यात करता है, तो उसे डंपिंग करना कहा जाता है। जिस देश में डंपिंग (निर्यात) किया जा रहा है, वहां बनने वाले उत्पाद पर इसका असर पड़ता है। इससे घरेलू बाजार में दूसरे देश से आने वाले उत्पाद की कीमत कम हो जाती है और इसका असर घरेलू ब्रांड की बिक्री पर पड़ता है।

आईआईटी की त्रिमूर्ति ने कमाल कर दिया

अंडे बेचकर बनाया 200 करोड़ रुपये का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। आईआईटी ग्रेजुएट तीन दोस्तों ने अंडे बेचकर करोड़ों रुपये का कारोबार खड़ा कर दिया है। इन दोस्तों के नाम अभिषेक नेगी, आदित्य सिंह और उत्तम कुमार हैं। इनके कारोबार का नाम एगोज है। एगोज का दावा है कि उनकी कंपनी ताजे और केमिकल फ्री अंडे बेचती है। एगोज आज रोजाना 6 लाख अंडे बेचती है। हालांकि 200 करोड़ रुपये के कारोबार तक पहुंचना इसके लिए इतना आसान भी नहीं रहा।

अभिषेक, आदित्य और उत्तम ने महसूस किया कि बाजार में मिलने वाले ज्यादातर अंडे ताजे और अच्छी क्वालिटी के नहीं होते हैं। कुछ रिसर्च करने पर उन्होंने पाया कि अंडे का कारोबार व्यवस्थित नहीं है। साथ ही बाजार में बिकने वाले अंडों पर गंदगी लगी होती है। ऐसे में इन्होंने इस इंडस्ट्री को बदलने का फैसला किया और एगोज ब्रांड शुरू किया।

अंडे में जरूरी पोषक तत्व- 32 साल के अभिषेक नेगी आईआईटी खड़गपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट हैं। उन्होंने पहले रोडर नाम से एक ट्रैवल कंपनी शुरू की थी।

इससे उन्हें कारोबार करने का अनुभव मिला। अब वे कुछ और करना चाहते थे। उन्होंने आदित्य और उत्तम के साथ मिलकर भारत में प्रोटीन और पोषण की कमी को दूर करने का फैसला किया। वह नौकरी छोड़ अंडे के कारोबार में उतर आए।

अंडे का ही कारोबार क्यों?

अभिषेक कहते हैं कि उन्होंने अंडे पर ध्यान इसलिए दिया क्योंकि यह जरूरी पोषक तत्वों का एक भरोसेमंद स्रोत है। लेकिन भारत का अंडे का कारोबार व्यवस्थित नहीं है। अभिषेक बताते हैं कि अंडे खुले में बेचे जाते हैं। उनमें से अक्सर बदबू आती है और वे गंदगी से सने होते हैं। वे बताते हैं कि इस कारोबार में कई कमियां हैं। जैसे कि कोई तय नियम नहीं हैं, तरीके सुरक्षित नहीं हैं और मुर्गियों को केमिकल वाला खाना खिलाया जाता है।

कैसे की एगोज की शुरुआत?

अभिषेक बताते हैं कि जब उन्होंने कंपनी शुरू की तो उन्हें मुर्गी पालन के बारे में कुछ नहीं पता था। आदित्य ने बताया कि उनके पास इससे संबंधित कोई भी जानकारी नहीं थी।

इस कमी को दूर करने के लिए उन्होंने अपनी शुरुआती रकम बिहार में 2017 में 12,000 मुर्गियों का फार्म बनाने में लगा दी। आदित्य बताते हैं कि उत्तम का परिवार बिहार के पास एक दूरदराज गांव में रहता था। इसलिए उन्होंने अपनी अच्छी नौकरी छोड़कर गांव वापस जाने का फैसला किया। उन्होंने तीन साल तक मुर्गी पालन की बारीकियों को सीखा। उन्होंने किसानों की समस्याओं को समझा। अनुभव और अपनी तकनीक, मुर्गियों की नस्ल और खाने के विज्ञान की मदद से उन्होंने 2020 में अपना ब्रांड लॉन्च किया।

किसानों को दिए टिप्स

अभिषेक ने बताया कि उन्होंने मुर्गियां पालने वाले किसानों को भी अपने कारोबार में लगाया। उन्हें ऐसे कई टिप्स दिए जो मुर्गियों और अंडों की अच्छी क्वालिटी को बनाए रखते थे। उन्होंने मुर्गियों को हर्बल खाना खिलाने की भी सलाह दी। इसका नतीजा भी अच्छा आया। आदित्य बताते हैं कि आज एगोज ब्रांड के अंतर्गत हर अंडा 11 सुरक्षा जांच से गुजरता है। इसके बाद ही ग्राहक तक पहुंचता है।

करोड़ों रुपये का रेवेन्यू

एगोज ब्रांड के अंतर्गत अंडे सिर्फ पैकेट में बेचे जाते हैं। इससे अंडे ताजे और साफ रहते हैं। वे हर दिन 5000 दुकानदारों को छह लाख अंडे बेचते हैं। पिछले साल इनका रेवेन्यू 100 करोड़ रुपये का था। अभिषेक का दावा है कि उनका कारोबार हर साल दोगुना बढ़ रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि इस साल यह बढ़कर दोगुना यानी 200 करोड़ रुपये पर पहुंच सकता है। इनका लक्ष्य इस कारोबार में 1000 करोड़ रुपये कमाना है।

बढ़ते तनाव के संकेतः लोन के लिए ग्राहकों को आमंत्रित कर रहे बैंक

म्यूचुअल फंड गिरवी रख कर्ज लेना कितना सही

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में निवेश के उपकरणों में म्यूचुअल फंड की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। इस बीच, कर्ज के बाजार में भी म्यूचुअल फंड के बदले लोन लेने के चलन में भी तेजी से इजाफा हुआ है। पर्सनल और गोल्ड लोन के बाद लोग अब अपनी नकदी की जरूरतें पूरी करने के लिए म्यूचुअल फंड्स को गिरवी रखकर कर्ज ले रहे हैं। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकों के पास म्यूचुअल फंड के बदले कर्ज की पूछताछ में 50 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस तरह के कर्ज लेने के लिए ग्राहकों को लंबे समय से रखे अपने निवेश को बेचना नहीं पड़ता। यह रुझान ऐसे वक्त में बढ़ रहा है, जब बाजार उतार-चढ़ाव के दौर से गुजर रहा है और लोगों का म्यूचुअल फंड में किया गया निवेश भी घट रहा है।

म्यूचुअल फंड को गिरवी रखकर कर्ज लेने के चलन का एक कारण डिजिटलीकरण है। गोल्ड लोन की तरह आपको व्यक्तिगत रूप से बैंक या गोल्ड लोन कंपनी के दफ्तर नहीं जाना होता है। लोगों को घर बैठे डिजिटल तरीके से मिनटों में बिना झंझट के आसानी से कर्ज मिल रहा है। इसका एक अहम कारण कम ब्याज दरें भी हैं। आमतौर पर बैंक या डिजिटल लोन देने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) 9.5 से 12 फीसदी ब्याज पर म्यूचुअल फंड के बदले कर्ज मुहैया करा रही हैं, जो झटपट कर्ज के रूप में लोकप्रिय क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन से काफी सस्ता है। कर्ज लेने वाले को 6 से 12 महीने के लिए उसके पास मौजूद म्यूचुअल फंड स्कीम के बाजार मूल्य का 50 से 60 फीसदी तक कर्ज मिल जाता है।

म्यूचुअल फंड के बदले कर्ज लेना निवेश के सिद्धांत के बिल्कुल विपरीत है। कई लोग अपने नए निवेश के लिए भी म्यूचुअल फंड को गिरवी रख कर्ज लेते हैं। इस प्रथा से हमेशा ही परहेज करना चाहिए। अपने म्यूचुअल फंड निवेश के बदले कर्ज तभी लेना चाहिए, जब ऐसा करना जरूरी हो एवं कहीं और से पैसे का इंतजाम न हो।

बाजार में बने रहने का मौका

म्यूचुअल फंड के बदले कर्ज लेने से निवेशक को बाजार में बने रहने का मौका मिलता है। इससे एक ओर जहां वह अपने पास मौजूद फंड से छह महीने से एक साल की अवधि में कर्ज को चुका भी सकता है, दूसरी ओर शेयर बाजार में सुधार होने या ऊपर जाने पर अपने यूनिट्स बेच सकता है। बैंक चूंकि निवेश मूल्य के 50 से 60 फीसदी पर ही कर्ज दे देते हैं, ऐसे में उसके पास भी शेयर बाजार की गिरावट में गिरवी रखे फंड के डूबने के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध होती है।

कंपनियां भी इसलिए दे रही हैं जोर

शेयर बाजार बीते कुछ महीने में बड़ी और लंबी गिरावट देख चुका है। बाजार में गिरावट का असर म्यूचुअल फंड पर भी पड़ा है और नेट असेट वैल्यू (एनएवी) लगातार टूट रही है।

इस नुकसान के बीच लोग अपनी एसआईपी (सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) बंद कर रहे हैं, तो कुछ निवेशक निवेश पर कमाए लाभ को डूबने से बचाने के लिए फंड की राशि निकाल भी रहे हैं। म्यूचुअल फंड कंपनियों के लिए गिरते बाजार में यह दोहरा संकट है। इसे देखते हुए फंड हाउस और बैंक म्यूचुअल फंड की यूनिट बेचने के बजाय इसके बदले कर्ज लेने को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

12वां फिल्म फेस्टिवल मुंबई में प्रतिष्ठित लाइनअप और भव्य अवार्ड नाइट के साथ संपन्न हुआ

मुंबई। और इसी के साथ पर्दा गिर गया! 12वें फिल्म फेस्टिवल का समापन शानदार अंदाज में हुआ, जिससे मुंबई सिनेमा, उत्साह और प्रेरणा से सराबोर हो गया। विचारोत्तेजक सत्रों से लेकर रोमांचक आर्ड नाइट तक, अंतिम दिन बेहद खास रहा। यह सिर्फ फिल्मों का जश्न नहीं था, बल्कि लोगों, कहानियों और सिनेमा की अविश्वसनीय शक्ति का उत्सव था।

अंतिम दिन की शुरुआत धमाकेदार रही! पहले ही सत्र से उपस्थित लोगों को शानदार वक्ताओं और चर्चाओं की श्रृंखला से रूबरू कराया गया। इस सत्र की शुरुआत अभिनेता पंकज कपूर ने की, जिन्होंने अपने शानदार कॅरियर और भारतीय सिनेमा के विकास पर अपने विचार साझा किए। सम्मानित हस्तियों में सीमा पाहवा, देव फौजदार और जयंत देशमुख ने थिएटर और सिनेमा के गहरे संबंधों पर चर्चा की और बताया कि कैसे नाट्यशास्त्र की तकनीकों ने फिल्म निर्माण को प्रभावित किया है। इसके बाद ऑस्कर विजेता साउंड डिजाइनर रसूल पोकुट्टी ने साउंड डिजाइन की बारीकियों और कहानी कहने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार साझा किए। जागरण फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड नाइट के दौरान भारतीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं के सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान को सराहा गया। रेट्रोस्पेक्टिव इंडिया श्रेणी में अनुभवी अभिनेता पंकज कपूर को सम्मानित किया गया, जबकि रेट्रोस्पेक्टिव इंटरनेशनल सेग्मेंट में क्रिज़िस्तोफ ज़ानुसी को सम्मानित किया गया।

पुरस्कार विजेताओं में रीमा दास प्रमुख नाम बनकर उभरीं, जिन्होंने विलेज रॉकस्टार 2 के लिए बेस्ट स्क्रीनप्ले और बेस्ट एडिटिंग का पुरस्कार जीता। यह फिल्म बेस्ट फीचर फिल्म (भारतीय) का सम्मान भी जीतने में सफल रही। बेस्ट सिनेमैटोग्राफी का पुरस्कार संयुक्त रूप से रईश एस. जला और अर्जुन नेगी को द स्पार्क ङ्क चिंगार के लिए प्रदान किया गया, जबकि बेस्ट बैकग्राउंड स्कोर का पुरस्कार रॉय मेनेज़ेस को इसी फिल्म के लिए दिया गया। राम संपत को लापता लेडीज के लिए बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर के पुरस्कार से नवाजा गया।

कई बार लोगों को अलग-अलग वजहों से रात में देर तक जागना पड़ता है। ऐसे में भूख भी महसूस होने लगती है। लेकिन भूख लगने पर आपको अपने लिए हेल्दी फूड्स ही लेने चाहिए। इस बारे में जानिए।

रात में जब लगे भूख क्या खाएं-क्या न खाएं

फूड जोन

विवेक कुमार

आप पढ़ाई के लिए देर रात तक जगने वाले स्टूडेंट हों या आपको सुबह देर से उठने और रात देर से सोने की आदत हैं ऐसे में कई बार रात में भूख महसूस होती है। ऐसे समय में क्या खाना चाहिए और क्या नहीं, बता रहे हैं आपको।

रात में क्या खाएं

- मुरमुरे, भुने चने, कॉर्न फ्लेक्स, भुना चिवड़ा, भुनी मूंगफली, भूने मखाने इन सबको मिलाकर तैयार की गई नमकीन देर रात भूख के लिए सबसे अच्छा और स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स है।
- अखरोट में प्राकृतिक रूप से मेलाटोनिन होता है, जिससे नींद अच्छी आती है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम इसे एक स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स बनाता है। इसके अलावा पिस्ता भी मेलाटोनिन से भरपूर होता है। इसमें मौजूद फाइबर और प्रोटीन लंबे समय तक भूख नहीं लगने देता। इन्हें भी आप खा सकते हैं।

- भुने या तले बादाम भी ले सकते हैं। इन्हें भूनकर शहद में डिप करके एक डिब्बे में रखें। इसके अलावा किशमिश, बादाम, अंजीर भी रात में खाए जा सकते हैं।
- पॉपकॉर्न भी एक फाइबरयुक्त फुलफिलिंग स्नैक है, बस इसमें मक्खन और नमक कम डालें। इसकी भी ज्यादा मात्रा खाने से बचना चाहिए।
- अनानास, सेब, केला, नाशपाती जैसे फलों को अगर बेक करके खाया जा सकता है। उसमें दालचीनी और बटर डालें। शुगर की जगह शहद के इस्तेमाल से बना यह स्नैक्स हेल्दी और टेस्टी होता है। रात में इसे भी आप खा सकते हैं।
- फीके और ऑयल फ्री बिस्कुटों में चीज स्लाइस के टुकड़े, आलू और काली मिर्च बुरक कर खाए जा सकते हैं।
- डार्क चॉकलेट के अलावा नट्स वाली चॉकेलट भी खाई जा सकती है।
- ड्राइ फ्रूट्स लड्डु जिनमें कई तरह के सीड्स और नट्स डाला गया हो, इसे भी खाया जा सकता है।
- भुने ओट्स में दही, सेब, केला, अनार जैसे फ्रूट्स डालकर खाए जा सकते हैं।
- मिक्सी में खजूर डालकर ओट्स, नट्स, चॉकलेट, सूखे नारियल में मिलाकर इसकी प्यूरी बनाकर खाई जा सकती है।
- दूध के साथ कॉर्न फ्लेक्स या ओट्स डालकर खाना भी हेल्दी ऑप्शंस हैं।
- शकरकंदी या आलू के चिप्स या शकरकंदी छीलकर उनके ऊपर दालचीनी पावडर, नमक, मिर्च डालकर बेकिंग ट्रे में चिप्स को रखकर ओवेन में दो तीन मिनट बेक करने के बाद बाद खा सकते हैं।
- साबुत गेंहू के टोस्ट और साबुत अनाज के क्रेक्स में कार्बोहाइड्रेट और फाइबर होते हैं। इनमें पीनट बटर लगाकर खा सकते हैं। मूंगफली के मक्खन में मौजूद वसा हमारे शरीर में सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाती है।

देर रात क्या न खाएं

- आधी रात के बाद पिज्जा खाने के लिए बिल्कुल भी उपयुक्त नहीं है। क्योंकि इसमें हाई फैट वाला पनीर होता है,जो आसानी से पचता नहीं है। इसमें कैलोरीज भी ज्यादा होती हैं, जिससे वजन बढ़ सकता है। इसमें मौजूद वसा जल्दी पचती नहीं है। पिज्जा बेस में रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट होता है, जो सेहत के लिए सही नहीं होता है।
- मिठाइयां, ज्यादा चीनी वाले अनाज लेने से रक्त में इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है। अनाज तो लिया जा सकता है, लेकिन मीठे वाला नहीं। ऐसा विकल्प चुनें, जिसमें चीनी कम लेकिन फाइबर और प्रोटीन ज्यादा हो।
- देर रात की भूख में चिप्स खाना सबसे नुकसानदायक होता है। इनमें प्रोटीन, फाइबर नहीं होते हैं। इसके तेल में वसा, रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट होते हैं।
- कैंडी की जगह फ्रूट या डार्क चॉकलेट खाना ज्यादा सही होता है। इसके अलावा मसालेदार चीजें खाने से भी बचना चाहिए, इससे पेट में दर्द, एसिडिटी और खट्टे डकार आते हैं। *

स्पेशलः वर्ल्ड टीबी डे-24 मार्च

ट्यूबरकुलोसिस यानी टीबी एक खतरनाक बीमारी है। भारत समेत दुनिया के कई देशों में लाखों-करोड़ों लोग हर साल इसकी चपेट में आते हैं। ऐसे में यह जानना सभी के लिए बहुत जरूरी है कि टीबी का संक्रमण कैसे फैलता है, इसके प्रमुख लक्षण क्या हैं, इसका उपचार कैसे हो सकता है और इससे बचाव कैसे संभव है? यहां एक्सपर्ट डॉक्टर विस्तार से इस बारे में जानकारी दे रहे हैं।

टीबी से बचाव के लिए जरूरी है सावधानी-जागरूकता

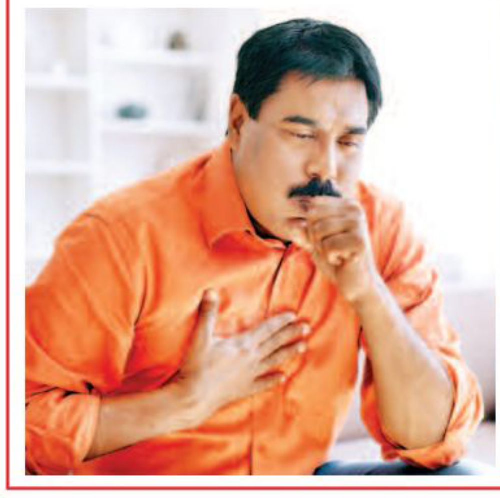

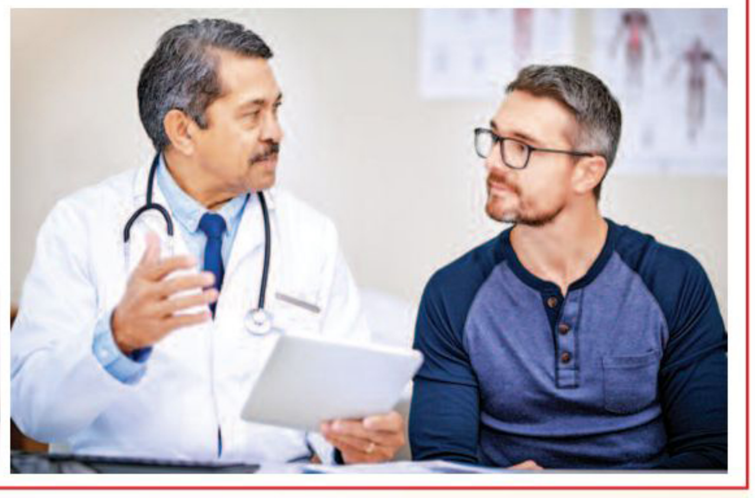

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. रोहन औरंगाबादवाला
कंसल्टेंट-पल्मोनोलॉजी
अपोलो हॉस्पिटल्स, नवी मुंबई

यह सवाल अकसर लोगों के मन में आता है कि मेडिकल साइंस में इतनी प्रगति के बावजूद, देश-दुनिया में अभी भी करोड़ों लोग टीबी से संक्रमित हो रहे हैं और लाखों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं, ऐसा क्यों होता है? इसका जवाब यह है कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों या समाज के उस वर्ग में बहुत से लोगों की स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुंच और सही ढंग से जांच और उपचार में देरी की वजह से यह रोग अभी भी लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। टीबी के लक्षणों को सांस संबंधी अन्य सामान्य समस्या मानने की गलती अकसर की जाती है, जिससे यह रोग काफी बढ़ जाता है। भीड़-भाड़ वाले इलाकों में रहना, खराब वेंटिलेशन और कुपोषण, टीबी संक्रमण के जोखिम को बढ़ाते हैं। मल्टीड्रग-रेसिस्टेंट टीबी (एमडीआर-टीबी) और व्यापक रूप से ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी (एक्सडीआर-टीबी) का इलाज करना कठिन और ज्यादा महंगा होता है। इन कारणों से भी यह रोग अभी भी घातक बना हुआ है और कई केसेस में रोगी की मृत्यु हो जाती है। अभी भी कई इलाकों और समुदायों में टीबी होना एक कलंक माना जाता है, जिसकी वजह से लोग बीमार होने पर भी मदद लेने या इलाज कराने से कतराते हैं।

इन्हें होता है अधिक रिस्कः जिन लोगों को एचआईवी/एड्स, मधुमेह है या जिनका ऑर्गन ट्रांसप्लांट हो चुका है, ऐसे कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोग, बच्चे, खासकर जहां टीबी फैलने का खतरा ज्यादा होता है, ऐसे इलाकों में, संक्रमित रोगी के संपर्क में आने से टीबी होने का खतरा अधिक होता है। उम्र बढ़ने के साथ संक्रमण को नियंत्रित करने का प्रतिरक्षा प्रणाली का प्रभाव कम होता जाता है, जिससे बुजुर्गों को टीबी होने का रिस्क बढ़ जाता है। टीबी मरीजों के लगातार संपर्क में रहने से स्वास्थ्य सेवा कर्मियों को टीबी होने का जोखिम ज्यादा होता है। जेलों, शरणार्थी शिविरों या झुग्गियों जैसे भीड़-भाड़ वाले, खराब हवादार वातावरण में रहने वाले व्यक्ति और कुपोषित व्यक्तियों में भी संक्रमण की संभावना अधिक होती है।

ऐसे होता है संक्रमणः टीबी मुख्य रूप से हवा के माध्यम से फैलता है। जब एक्टिव पल्मोनरी टीबी से पीड़ित व्यक्ति खांसता, छींकता या बोलता है तो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस बैक्टीरिया युक्त छोटी बूंदें हवा में फैल जाती हैं। ये बूंदें उनके करीब के दूसरे लोगों द्वारा सांस के जरिए अंदर ली जा सकती हैं, जिससे उन्हें भी संक्रमण हो सकता है। संक्रमित व्यक्ति के साथ लंबे समय तक संपर्क में रहने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

टीबी के प्रमुख लक्षणः लगातार खांसी (3 सप्ताह से अधिक समय तक), खांसने पर खून या बलगम में खून निकलना, सीने में दर्द या बेचैनी, थकान और कमजोरी, रात में पसीना आना, बिना किसी कारण के वजन कम होना, बुखार और ठंड लगना, भूख न लगना आदि टीबी के लक्षण हो सकते हैं।

टीबी संक्रमण का उपचारः टीबी मरीज के इलाज के लिए एंटीबैक्टीरियल दवाइयां दी जाती हैं। ड्रग-सेंसिटिव टीबी के लिए मानक उपचार आमतौर पर 6 महीने तक चलता है। हालांकि ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी के लिए यह अवधि लंबी हो सकती है। ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी के लिए, उपचार अधिक जटिल हो जाता है। इसमें सेकेंड लाइन दवाओं की आवश्यकता होती है। इसके लिए 18-24 महीनों तक उपचार और ड्रग-रेसिस्टेंट प्रोफाइल के अनुरूप उपचार की आवश्यकता होती है। कुछ दुर्लभ केसेस में, टीबी से इंफेक्टेड टिश्यूज को हटाने के लिए सर्जरी की आवश्यकता भी हो सकती है।

टीबी वैक्सीन है उपलब्धः बैसिलस कैलमेट-गुएरिन (बीसीजी) वैक्सीन सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाने वाली टीबी वैक्सीन है। जहां टीबी के केसेस ज्यादा होते हैं, आमतौर पर उन देशों में यह वैक्सीन शिशुओं को लगाई जाती है। यह वैक्सीन वयस्कों में टीबी के संक्रमण को नहीं रोकता है, लेकिन यह बच्चों में टीबी के गंभीर रूपों, विशेष रूप से मेनिंगियल और डिसेमिनेटेड टीबी को रोकने में कारगर है। हालांकि यह वयस्कों में टीबी का सबसे आम और संक्रामक रूप, पल्मोनरी टीबी से पूरी तरह सुरक्षा प्रदान नहीं करता है।

बरतें ये सावधानियांः रहने, काम करने की जगह हवादार रखना, मास्क पहनना, टीबी के लक्षण वाले व्यक्तियों के निकट संपर्क से बचना टीबी संक्रमण से बचाव के लिए जरूरी है। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को ढंकने जैसी आदतें टीबी के संक्रमण को रोक सकती हैं और इसके प्रसार को भी कम कर सकती हैं।

ट्रीटमेंट के दौरान रखें ध्यानः यह महत्वपूर्ण है कि टीबी मरीज का पूरा उपचार किया जाए, क्योंकि अधूरे इलाज से बीमारी फिर से शुरू हो सकती है और ड्रग रेसिस्टेंस हो सकता है। नियमित जांच और बलगम परीक्षण से इलाज में प्रगति की निगरानी करने और किसी भी जटिलता की पहचान करने में मदद मिल सकती है। कुछ टीबी दवाइयों के गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं, जैसे कि लीवर को नुकसान या दृष्टि संबंधी समस्याएं। इन पर बारीकी से नजर रखी जानी चाहिए। प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और शरीर को संक्रमण से लड़ने में मदद करने के लिए पर्याप्त पोषण महत्वपूर्ण है। शराब और धूम्रपान से बचना चाहिए क्योंकि वे उपचार में बाधा डाल सकते हैं और फेफड़ों को और ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगर कोई व्यक्ति जिसका पहले इलाज हो चुका है फिर से टीबी बैक्टीरिया के संपर्क में आता है, तो उसे फिर से टीबी हो सकता है। इसलिए रिकवर होने के बाद भी पूरी सावधानी बरतनी चाहिए।

मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंट टीबीः मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट या एमडीआर, टीबी का एक प्रकार है। यह उन बैक्टीरिया के कारण होता है, जो कम से कम दो सबसे शक्तिशाली फर्स्ट-लाइन दवाओं, आइसोनियाजिड और रिफेंपिसिन के प्रति रेसिस्टेंट (प्रतिरोधी) होते हैं। इसका मुख्य कारण अधूरा या अनुचित इलाज होता है। इससे बचने का यही तरीका है कि टीबी डिटेक्ट होने पर उसका पूरी अवधि तक और सही ट्रीटमेंट करवाया जाए। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

टीबी के डिफरेंट स्टेज

इस बीमारी का इंफेक्शन कई स्टेज में हो सकता है।

प्राइमरी स्टेजः जब कोई व्यक्ति हवा में उड़ रहे बैक्टीरिया की चपेट में आ जाता है। पूअर हाइजीन वाले क्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति अच्छी पर्सनल हाइजीन के बावजूद इसकी चपेट में आ जाते हैं। वैसे तो हमारा इम्यून सिस्टम अकसर ऐसे बैक्टीरिया का खात्मा कर देता है लेकिन कोई व्यक्ति एचआइवी पॉजिटिव हो, डायबिटिक हो तो वह प्राइमरी इंफेक्शन के कुछ ही हफ्तों में इसकी चपेट में आ जाता है।

लेटेंट स्टेजः इसका मतलब है कि टीबी का बैक्टीरिया शुरुआती इंफेक्शन के बाद शरीर में डेरा जमाकर बैठ जाता है और इम्यून सिस्टम के कमजोर होने का इंतजार करता है। बुढ़ापे में या इम्यून सिस्टम के कमजोर होने पर जब एंटीजेंस रिएक्टिव हो जाते हैं तो यह बीमारी सिर उठा सकती है।

एक्टिव स्टेजः जब बैक्टीरिया से प्रभावित एवं संक्रमित व्यक्ति में लक्षण स्पष्ट नजर आने लगते हैं और वह अपनी बीमारी दूसरों तक भी फैलाने लगता है, तो उसे एक्टिव स्टेज पेशेंट कहते हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि एक्टिव टीबी का मरीज साल भर में ऐसे 10-15 लोगों को बीमार कर सकता है, जो उसके निरंतर संपर्क में आते हैं।

(कोलंबिया एशिया हॉस्पिटल कोलकाता के पल्मोनोलोजिस्ट, डॉ. के.एन.पोद्दार से शिखर चंद जैन की बातचीत पर आधारित)

घरेलू औषधि

अत्यंत स्वास्थ्यवर्धक है हरा चना

चना ऐसा अनाज है, जिसका सेवन आप हरे या सूखने के बाद काले चने के रूप में कर सकते हैं। दोनों ही रूपों में यह स्वास्थ्यवर्धक होता है। इसके ताजे पत्तों को धोकर नमक-मिर्च लगा कर ग्रामीण इलाकों में खूब खाया जाता है। यह स्वादिष्ट होने के साथ स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है।

हरे चने खाने के लाभः हरे चने की छोटी सी फली होती है, जिसमें हरे चने के दाने होते हैं, इनको टाट भी कहते हैं। इसकी सब्जी भी बनाई जाती है। हरे चने में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई, विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स (विटामिन बी1, बी2, बी3, बी5) और विटामिन के भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इनके अतिरिक्त इसमें फाइबर, सोडियम, फोलेट, आयरन, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, सेलेनियम, पोटैशियम, कैल्शियम, फैट्स, कार्बोहाइड्रेट, डाइटरी फाइबर्स, फैटी एसिड आदि पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य की सभी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में मददगार होते हैं। हरा चना पाचन सुधारने के साथ शरीर में शक्ति का भी संचार करता है। हरे चने या छोलिया का सेवन संक्रमण से बचाव करता है, इम्यूनिटी को प्रबल करता है। इसमें मिलने वाला घुलनशील फाइबर ब्लड शुगर को सामान्य रखने में सहायक होता है। इस तरह हरा चना टाइप 2 डायबिटीज को नियंत्रित करने में सहायक होता है।

इसका सेवन मस्तिष्क को स्वस्थ रखने और स्मरण शक्ति को बढ़ाने में मददगार है। हरे चने का सेवन आंखों की जलन, लाली को दूर कर आखों की रोशनी बढ़ाने में सहायक है। चने का सेवन, हृदय के रोगियों के लिए बहुत लाभकारी है। इसका सेवन शरीर में बढ़ने वाले कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित कर हृदय को बल प्रदान करता है। इसको भून कर (रोस्टेड) खाने से कब्ज, गैस, पेटदर्द में लाभ मिलता है। इसका सेवन वजन कम करने में भी मददगार होता है, क्योंकि इसका सेवन करने से पेट भरा हुआ महसूस होता है इसीलिए चने का सेवन करने से भूख कम लगती है। अगर आपको थकावट महसूस होती है, शरीर में शिथिलता लगती है तो चने का सेवन आपके लिए बहुत लाभकारी सिद्ध होगा। इसके लिए आप हरे चने का नियमित सेवन करें। इसके अलावा रात को भिगोए हुए काले चनों का सेवन भी लाभकारी है। *

-वैद्य हरिकृष्ण पांडे 'हरीश'

हेल्थ सजेशन

शिखर चंद जैन

स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना सभी करते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपकी इम्यूनिटी मजबूत रहे। इसे फिट बनाए रखने के लिए अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करने होंगे।

इम्यून सिस्टम फिट तो आप रहेंगे हेल्दी-एक्टिव

आपने देखा होगा कि कुछ लोग अकसर थके-थके से, बीमार और उम्र से पहले ही बुजुर्गों जैसे दिखते हैं, वहीं कुछ लोग अधिक उम्र के बावजूद चुस्त-दुरुस्त, मस्त और दिखने में युवा नजर आते हैं। 'अल्ट्रा लांजिविटीः दी सेवेन स्टेप प्रोग्राम फॉर अ यंगर, हैल्दियर यू' के लेखक डॉ. मार्क लिपोनिस कहते हैं कि जिन लोगों का इम्यून सिस्टम दुरुस्त नहीं रहता है, उनमें एजिंग के लक्षण जल्दी ही नजर आने लगते हैं। इसका असर स्किन, हड्डियों, हार्ट, नर्व्स, लंग्स, किडनियों और अन्य अंगों पर नजर आने लगता है। कार्डिफ यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में माइक्रोबायोलॉजी के सीनियर प्रोफेसर डॉ. रिचर्ड स्टेंटन कहते हैं, 'बड़ी उम्र के लोगों में असमय मृत्यु के मुख्य कारणों में गंभीर संक्रमण, कैंसर और इंफ्लेमेटरी डिजीज होते हैं। ये डिसऑर्डर मूल रूप से इम्यून सिस्टम की एजिंग के कारण पनपते हैं। इस स्थिति को चिकित्सकीय भाषा में 'इम्यून सेनेसेंस' कहते हैं। शुरू से ही रोगों से घिर चुके लोगों में आगे चलकर रोग प्रतिरोधक क्षमता और भी कमजोर पड़ जाती है। अगर इससे बचना है तो जीवनशैली में कुछ अनुशासन और बदलाव जरूरी हैं, ताकि इम्यूनिटी मजबूत हो।

स्ट्रेस से बचेंः बेरोजगारी, पैसे की कमी, विवाह में देरी या पारिवारिक मनमुटाव स्ट्रेस के प्रमुख कारण हैं। स्ट्रेस शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करता है। जो लोग लगातार स्ट्रेस में रहते हैं, उनकी सेल्स की रीजनरेट होने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए स्ट्रेस से बचें और योग, मेडिटेशन करें या नई स्किल सीखने में खुद को व्यस्त रखें।

धूम्रपान छोड़ेंः स्मोकिंग एजिंग प्रोसेस की स्पीड बढ़ाती है। धूम्रपान करने वालों की स्किन अपना लचीलापन खोने लगती है, हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ जाता है, श्वास संबंधी समस्याएं होने लगती हैं और कैंसर जैसी बीमारियों का जोखिम भी बढ़ने लगता है। खुद सिगरेट न पीने के अलावा सेकेंड हैंड स्मोकिंग से भी बचें। यह भी लगभग उतनी ही खतरनाक होती है।

एंटीबायोटिक्स का अधिक सेवनः विशेषज्ञ बताते हैं कि एंटीबायोटिक्स के अधिक सेवन से इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ जाता है। कुछ खास दवाएं इम्यून सिस्टम तक हार्मोन सप्लाई करने वाले साइटोकिंस का स्तर घटा देती हैं। इससे इसकी बैक्टीरियारोधक क्षमता घटती है और बीमार पड़ने की संभावना बढ़ती है। एंटीबायोटिक दवाएं पेट के हेल्दी बैक्टीरिया को भी नष्ट कर देते हैं।

पॉजिटिव सोच रखेंः 'इमोशन' जर्नल में प्रकाशित शोध की मानें तो सकारात्मक सोच इम्यूनिटी पावर बढ़ाती है। मेडिटेशन, अध्यात्म, कुदरत के मनोहारी दृश्यों को देखना और सराहना सेहत के लिए अच्छी आदतें हैं। संतुष्टि, खुशी, गर्व और खिलंदड़पन न सिर्फ बीमारियों से दूर रखने में मददगार होते हैं बल्कि एजिंग प्रोसेस को भी धीमा करते हैं।

पॉल्यूशन से बचेंः प्रदूषण में लगातार और लंबे समय तक रहने से इंफ्लेमेशन की समस्या बढ़ती है। अस्थमा और अन्य श्वसन समस्याओं के साथ-साथ इससे इम्यून सिस्टम भी ध्वस्त होता है। कम प्रदूषित क्षेत्र में रहने को प्राथमिकता देनी चाहिए। घर से बाहर निकलते समय मास्क पहनना चाहिए। स्वच्छ वातावरण में टहलना चाहिए। *

इन पर भी दें ध्यान

- पोषक तत्वों से भरपूर भोजन करें। हरी सब्जियां, दाल, फल, साबुत अनाज के साथ-साथ दही, सूखे मेवे, आंवला और मशरूम जैसे गुणकारी फूड्स अपने भोजन में शामिल करें।
- एक्सरसाइज करने की आदत डालें। जब वक्त मिले, तभी एक्सरसाइज करें। सुबह-शाम टहलें। घर का सामान लेने के लिए नजदीकी बाजार तक पैदल जाएं।
- अच्छी तरह नींद लेने की आदत डालें। रात को सात-आठ घंटे की नींद लें।

सजेशन

डॉ. माजिद अलीम

डाइजेशन अगर सही न हो तो कब्ज की समस्या घेर लेती है। इससे कई अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में आपको जरूर जानना चाहिए कि कब्ज होने की मुख्य वजहें क्या हैं और डाइजेशन को कैसे सही रख सकते हैं।

ऐसे सही रहेगा डाइजेशन

सुबह उठ कर स्कूल जाना हो या ऑफिस या कहीं बस ट्रेन से लंबी यात्रा करनी हो तो जिन लोगों को पाचन संबंधी समस्या होती है, उन्हें मोशन समय पर नहीं आता है। घर से फ्रेश होकर जाने के लिए वो रात में दूध पीकर सोते हैं, सुबह उठकर गर्म पानी पीते हैं। इसके बावजूद कई बार फ्रेश नहीं हो पाते। ऐसे में पेट साफ न होना, उनके लिए एक बड़ा सिरदर्द हो जाता है। अगर डाइजेशन सिस्टम में गड़बड़ होती है तो हेल्थ से जुड़ी और बहुत सारी गंभीर समस्याएं सामने आने लगती हैं। कब्ज रहना, पाचनतंत्र में गड़बड़ी का एक बड़ा सूचक होता है।

कब्ज के लक्षणः सुबह सोकर उठने के बाद बिना किसी परेशानी के पेट साफ होना आपके सही पाचन और सेहत का सूचक है। लेकिन अगर रोज पेट साफ न हो, हार्ड स्टूल की समस्या से जूझ रहें हों तो इससे सबसे ज्यादा बबासीर का खतरा रहता है। सही पाचन का लक्षण है कि कम से कम 24 घंटे बाद शरीर से दिनभर के जमा अपशिष्ट पदार्थों का बाहर होना जरूरी है। 24 घंटों के बाद भी अगर पेट पूरी तरह साफ नहीं होता है तो इसे खतरे का संकेत मान लेना चाहिए।

कब्ज होने के कारणः समय पर या डेली पेट साफ न हो, हार्ड मोशन हो, पेट में भारीपन महसूस हो तो समझ लें कि आपका डाइजेशन सही नहीं है। पेट साफ न होने यानी कब्ज की सबसे बड़ी वजह कम पानी पीना है। कम पानी पीने से डिहाइड्रेशन होता है और पेट साफ नहीं होता। खाने में हरी सब्जियां और फलों का कम सेवन भी पाचन क्रिया पर बुरा असर डालता है। नॉनवेज, ज्यादा तला भुना खाना भी इसकी एक बड़ी वजह है। इसके अलावा रात को देर से खाना, असमय खाने से भी खाना हजम नहीं हो पाता और कब्ज हो जाती है। तनाव, डिप्रेशन और सही नींद न लेना भी पाचन क्रिया को बिगाड़ता है। चलने-फिरने की गतिविधि कम करना, व्यायाम न करना भी इसकी एक बड़ी वजह है।

अपनाएं ये उपायः प्रतिदिन पेट साफ रहे, इसके लिए संतुलित भोजन जरूरी है। तला-भुना खाने की बजाय हरी पत्तेदार सब्जियां, साबुत अनाज, फल और रसीली सब्जियां लेनी चाहिए। आपका भोजन फाइबरयुक्त होना चाहिए। मिठाइयां, कोल्ड ड्रिंक्स, सोडा ड्रिंक्स आदि का सेवन नहीं करना चाहिए। रेग्युलर एक्सरसाइज करें। चिंता और तनाव से मुक्त रहें। क्योंकि इन सबका पाचनक्रिया पर बुरा असर पड़ता है।

कारगर हैं ये घरेलू नुस्खेः पेट साफ रहे, नियमित पेट साफ हो, इसके लिए कुछ घरेलू नुस्खे आजमा सकते हैं।

- रात को बिस्तर पर जाने से पहले गुनगुने दूध में इसबगोल मिलाकर खाएं। इससे पेट साफ होने में आसानी होती है।
- रात को खाना खाने के एक घंटे बाद या सोने से पहले गुनगुने पानी से एक चम्मच त्रिफला चूर्ण खाया जाए तो इससे सुबह अच्छी तरह पेट साफ हो जाता है।
- रात को सोने से पहले डिनर के दो घंटे बाद एक गिलास दूध पीने से कब्ज की शिकायत दूर होती है।
- रात को एक चम्मच मेथी पानी में भिगोकर रख दें। सुबह खाली पेट इस मेथी को पानी से निकाल कर चबाएं और इसका पानी पी लें, इससे पेट साफ होता है। *

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

'फुले' में है सामाजिक बदलाव की कहानी...

नई दिल्ली। हाल ही में फिल्म 'फुले'का ट्रेलर रिलीज हुआ है। यह फिल्म एक बायोग्राफिकल ड्रामा है। इस फिल्म के ट्रेलर में अभिनेत्री पत्रलेखा, अभिनेता प्रतीक गांधी, महात्मा ज्योतिराव फुले और उनकी सावित्रीबाई फुले के किरदारों में नजर आ रहे हैं। ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले किस प्रकार समाज में क्रांति लेकर आए, उन्होंने महिलाओं, दलितों के लिए बदलाव की राह तैयार की, इन्हीं बातों की झलक ट्रेलर में नजर आती है। अनंत महादेवन द्वारा निर्देशित फिल्म 'फुले' में प्रतीक गांधी ने ज्योतिराव फुले और पत्रलेखा ने उनकी पत्नी ज्ञानज्योति सावित्रीबाई फुले की भूमिका निभाई है।

लाइफ Style

रश्मिका

मील का पत्थर साबित होगी 'सिकंदर'

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सलमान खान और रश्मिका मंदाना अभिनित फिल्म सिकंदर इस महिने की 30 तारीख को रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म का प्रमोशन जोरो-शोरो से चल रहा है। फिल्म प्रमोशन के दौरान रश्मिना ने सिकंदर की जमकर तारीफ की।

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सिकंदर को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में सलमान के साथ पहली बार रश्मिका मंदाना की जोड़ी नजर आएगी, जो प्रशंसकों को बेहद पसंद भी आ रही है। वहीं, फिल्म का प्रमोशन लगातार चल रहा है और इसी बीच रश्मिका ने सलमान की जमकर तारीफ की, जिसे सुनकर भाईजान के फैंस जरूर खुश हो जाएंगे। टॉलीवुड और बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना लगातार लगातार कई हिट फिल्में देती आई हैं, जिसमें रणबीर कपूर के साथ 'एनिमल' और अल्लू अर्जुन के साथ 'पुष्पा 2 द रूल' शामिल हैं। वहीं अब उन्होंने बॉलीवुड दबंग खान के साथ काम करने के अपने अनुभव को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की है। रश्मिका मंदाना ने सलमान की तारीफ करते हुए कहा कि उनके साथ फिल्म 'सिकंदर' में काम करना, उनके लिए बेहद सम्मान की बात है, क्योंकि वह बॉलीवुड के एक ऐसे अभिनेता हैं, जिन्हें हर कोई पसंद करता है और वह भारतीय सिनेमा में सबसे प्रसिद्ध अभिनेताओं में से एक हैं। साउथ की कई बेहतरीन फिल्मों के बाद अब बॉलीवुड फिल्मों में कदम जमा चुकीं रश्मिका का मानना है कि फिल्म सिकंदर उनके कॅरियर के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

हॉलीवुड मसाला

'द डोनट ब्रदर्स' पुकारती हैं मालती

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा के पति और सिंगर निक जोनस ने हाल ही में अपनी 3 साल की बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वह जोनस ब्रदर्स की महानता को समझती हैं कि नहीं। वहीं, सिंगर ने शेयर किया कि मालती उनके ग्रुप को जोनस की जगह डोनट ब्रदर्स पुकारती हैं। निक जोनास ने यह भी बताया कि वह उनके भाई जो जोनास को 'गो' कहकर बुलाती हैं। जोनस ब्रदर्स की पॉपुलैरिटी पर बेटी मालती मैरी के रिएक्शन पर बात करते हुए निक जोनस ने कहा, 'मेरी बेटी एक जागरूक है।

पत्रकारों और डायरेक्टर्स ने मिलकर बनाई 'नो अदर लैंड'

लॉस एंजिल्स। डॉक्यूमेंट्री 'नो अदर लैंड' के लिए, हमदान बल्लाल ने युवल अब्राहम और साथी फिलीस्तीनी फिल्म निर्माता बेसल अद्रा और इजरायली सिनेमेटोग्राफर, एडिटर और डायरेक्टर राहेल सोर के साथ मिलकर काम किया। 'नो अदर लैंड' का वर्ल्ड प्रीमियर 2023 बर्लिनले में हुआ था, जहां इसने ऑडियंस अवॉर्ड और बर्लिनले डॉक्यूमेंट्री अवॉर्ड जीता। हालांकि, युवल अब्राहम ने अपने भाषण में इजरायल में 'रंगभेद की स्थिति' की आलोचना करने और गाजा में युद्ध विराम का आह्वान किया था, जिस कारण विवाद हो गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, युवल अब्राहम को मौत की धमकियां मिली हैं और उन पर यहूदी विरोधी होने का आरोप लगाया। 'नो अदर लैंड' में इजरायली सैनिकों के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के मासफर यट्टा में विनाश को दिखाया गया है। डॉक्यूमेंट्री के को-डायरेक्टर बेसल अद्रा ने हमदान बल्लाल को हिरासत में लेकर जाते हुए देखा।

'छोरी-2' में नजर आया खौफनाक मंजर...

मुंबई। साल 2021 में फिल्म 'छोरी'ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई। इसमें एक सामाजिक कुरीति को भूतों की कहानी के साथ जोड़कर दिखाया गया था। अब इस फिल्म का अगला पार्ट यानी 'छोरी 2' भी ओटीटी पर रिलीज होने वाला है। इस फिल्म के हालिया रिलीज टीजर में अभिनेत्री नुसरत भरुचा नजर आ रही हैं। वह पहली फिल्म का भी हिस्सा थीं। 'छोरी 2' के टीजर में भी पिछली फिल्म की तरह की हॉरर, ड्रामा नजर आ रहा है। फिल्म 'छोरी 2' के टीजर को प्राइमवीडियोइन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर भी साझा किया है। इसके साथ ही एक कैप्शन भी लिखा है, 'एक बार फिर, वो खेत, वो खतरा और वो खौफ'। टीजर में भी यही सब बातें नजर आती हैं। नुसरत भरुचा का किरदार अपने आपको एक खेत में खौफनाक परिस्थितियों में घिरा हुआ पाता है।

'रेड-2' से आया रितेश का पहला लुक...

मुंबई। मंगलवार को फिल्म 'रेड 2' से रितेश देशमुख का पहला लुक सामने आ गया है, जिसमें वह कई लोगों के बीच नेता की भूमिका में नजर आ रहे हैं। पोस्टर को देखकर लग रहा है कि वह किसी चीज के खिलाफ खड़े होकर नारा लगा रहे हैं। अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' की रिलीज की घोषणा के साथ उनका पहला लुक भी सोमवार को जारी किया गया था। आज फिल्म 'रेड 2' से रितेश देशमुख का पहला लुक सामने आया है। इस लुक को अजय देवगन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, 'कानून का मोहताज नहीं, कानून का मालिक है दादा भाई'। अजय के इस कैप्शन से लग रहा है कि रितेश इस फिल्म में दादा भाई की भूमिका में नजर आएंगे। आगे अजय ने लिखा, 'रेड 2' आपके नजदीकी सिनेमाघरों में 1 मई 2025।

टीवी मसाला

अभी खत्म नहीं हुआ बाबा निराला और भोपा स्वामी का खेल...

नई दिल्ली। बॉबी देओल के लिए फिल्म 'एनिमल' से पहले प्रकाश झा की वेब सीरीज 'आश्रम' ने उनकी किस्मत बदल दी थी। इस शो में वे काशीपुर वाले बाबा निराला का किरदार निभाते हैं, जो एक दुष्ट बाबा है लेकिन बाहर से संत जैसा दिखता है। अब तक एमएक्स प्लेयर पर इस शो के तीन सीजन आ चुके हैं और लोग चौथे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। चंदन रॉय सान्याल ने आश्रम के सीजन 4 को लेकर जानकारी शेयर की है। चंदन रॉय सान्याल वेब सीरीज में बाबा के खास सहायक भोपा स्वामी का रोल निभाते हैं। चंदन रॉय सान्याल ने अंग्रेजी वेबसाइट बॉलीवुड हंगामा से खास बातचीत में कहा, 'हर कोई एक ही सवाल पूछ रहा है। मुझे लगता है कि यह इस साल आ जाना चाहिए. तैयारी पूरी है। शूटिंग के कुछ हिस्से बाकी हैं और स्क्रिप्ट पर भी काम चल रहा है।' उन्होंने यह भी बताया कि जहां भी वे जाते हैं, लोग उन्हें शो की तरह 'जपनाम' कहकर बुलाते हैं। चंदन ने कहा, 'एयरपोर्ट हो या रेस्तरां, बहुत सारे लोग ऐसा कहते हैं। आश्रम' ऐसी वेब सीरीज है जो हर तरह के दर्शकों तक पहुंची है। चाहे ऑटो-रिक्शा ड्राइवर हो, बस ड्राइवर, सीआरपीएफ गार्ड, एयरपोर्ट का सिक्योरिटी गार्ड, एयर होस्टेस, या मुंबई के नानावटी हॉस्पिटल का बड़ा सर्जन, सभी 'जपनाम' कर रहे हैं। प्रकाश जी ने इसे इतने शानदार तरीके से बनाया है कि यह हर जगह पहुंच गया है। आश्रम में आदिति पोहनकर, त्रिधा चौधरी, ईशा गुप्ता, अनुप्रिया गोयनका, दर्शन कुमार जैसे कई कलाकार भी हैं।

अनोखे अंदाज में कमबैक कर रहा है अनुपमा का वनराज शाह...

नई दिल्ली। मशहूर टीवी सीरियल अनुपमा में वनराज का रोल निभाकर घर घर में पहचान बनाने वाले एक्टर सुधांशु पांडे टीवी पर जबरदस्त कमबैक कर रहे हैं। आपको बता दें कि पिछले ही साल सुधांशु ने अनुपमा सीरियल को छोड़कर अपने फैंस को चौंका दिया था। कहा जा रहा है कि सुधांशु इस सीरियल को काफी सालों से कर रहे थे और उनको लग रहा था कि अब सीरियल में उनके लिए कुछ खास नहीं बचा है। ऐसे में अपने कॅरियर को नया मोड़ देने के लिए सुधांशु ने अनुपमा सीरियल को बाय बाय कह दिया था। कई दिनों तक सुधांशु के बारे में कोई खबर नहीं आई, लेकिन अब उनके कमबैक की खबर ने उनके फैंस को उत्साहित कर दिया है। खबर है कि सुधांशु पांडे ने टीवी पर कमबैक करने वाले है और वो जल्द ही टीवी शो वागले की दुनिया में नजर आएंगे. इस शो में उनके किरदार का नाम रॉकी होगा और अपने नाम की तरह की सुधांशु इस सीरियल में रॉकिंग परफॉर्मेंस देने के लिए तैयार हैं।

मंच पर फफक कर रो पड़ीं

मुंबई। नेहा कक्कड़ का मेलबर्न में एक म्यूजिक कॉन्सर्ट था, जहां वह तीन घंटे देरी से पहुंची। वायरल हो रहे वीडियो में दिखता है कि नेहा जैसे ही मंच पर पहुंचतीं हैं, तो फैंस उनका स्वागत करते हैं। यह देख वह अपने आंसू नहीं रोक सकीं और रो पड़ीं। साथ ही गायिका ने दर्शकों को कहा कि आप सभी बहुत प्यारे हैं। इतनी देर से आप उनका इंतजार कर रहे हैं। नेहा ने कहा कि आजतक उन्होंने किसी को इंतजार नहीं करवाया, क्योंकि उन्हें इससे नफरत है। उन्होंने इसके लिए क्षमा मांगते हुए कहा कि वह इस शाम को कभी नहीं भूलेंगी। वायरल हो रहे इस वीडियो में कुछ फैंस को गायिका के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर करते सुना जा सकता है। शो में देरी से आने पर एक फैंस ने कहा कि यह भारत नहीं हैं, आप ऑस्ट्रेलिया में हैं। वहीं, दूसरे फैंस ने चिल्लाया कि वापस जाओ, अपने होटल में आराम करो। इसी पर एक अन्य फैंस ने कहा कि यह इंडियन ऑयडल नहीं हैं, जहां आप बच्चों

के साथ परफॉर्म कर रही हैं। इस कॉन्सर्ट से जुड़ी तस्वीरों को नेहा कक्कड़ ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। पोस्ट के कैप्शन में गायिका ने लिखा कि धन्यवाद सिडनी और मेलबर्न की रात को शानदार बताया। गायिका ने संगीत जगत में अपने कई गानों से एक खास पहचान बनाई है, जिसमें 'लंदन ठुमकदा', 'कर गई चुल', 'काला चश्मा', और 'आंख मारे जैसे गाने शामिल हैं।

इस साल रिलीज होंगे कई सीक्वल एक में हैं 15 से ज्यादा एक्टर्स...

नई दिल्ली। बॉलीवुड में कई ऐसी फ्रेंचाइजी हैं जिनकी फिल्मों के सीक्वल का लोगों को इंतजार रहता है। इस साल दर्शकों को कई बड़ी फिल्मों के सीक्वल देखने को मिलेंगे, क्योंकि आगामी महीनों में अजय देवगन से लेकर अक्षय कुमार और ऋतिक रोशन जैसे बड़े स्टार्स अपनी फिल्मों के सीक्वल लेकर आ रहे हैं। हाल ही में केसरी चैप्टर 2 का टीजर जारी किया गया है। इस फिल्म में जलियावाला बाग में हुई घटना और गोलीबारी को दिखाया जाएगा। केसरी के अलावा भी इस साल कई और फिल्मों के सीक्वल और फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी आने वाली है।

रेड 2 : 2018 में आई अजय देवगन की फिल्म 'रेड'1980 में उत्तर प्रदेश में एक बाहुबली के घर पर हुई छापेमारी की असली कहानी पर आधारित थी। अब 'रेड' के लगभग 7 साल बाद मेकर्स 'रेड 2' लेकर आ रहे हैं। फिल्म की घोषणा काफी पहले ही कर दी गई थी, जिसके बाद से ही दर्शक इस फिल्म के लिए उत्साहित थे। अब कल फिल्म की नई रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी गई है। 'रेड 2' 1 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म में एक बार फिर अजय देवगन इनकम टैक्स ऑफिसर अमय पटनायक की भूमिका में दिखाई देंगे।

हाउसफुल 5 : साजिद नाडियाडवाला और अक्षय कुमार की हाउसफुल फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी 'हाउसफुल 5' इस बार 6 जून को दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। इससे पहले इस फ्रेंचाइजी की चार फिल्में रिलीज हो

चुकी हैं, जिनमें जबरदस्त कॉमेडी देखने को मिली थी ऐसे में फिल्म की पांचवीं कड़ी से भी लोगों को वैसी ही कॉमेडी की उम्मीद है। इस फिल्म में हाउसफुल के बाकी भागों की तरह एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आने वाली है। जिसमें अक्षय कुमार और रितेश देशमुख के अलावा, अभिषेक बच्चन, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, चित्रांगदा सिंह, नरगिस फाकरी और चंकी पांडे समेत कई सितारे शामिल हैं।

वॉर 2 : यशराज के स्पाई यूनिवर्स की अगली कड़ी 'वॉर 2' इस साल 14 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। यह फिल्म 2019 में आई ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर स्टारर 'वॉर' की अगली कड़ी है। इस बार भी फिल्म में ऋतिक रोशन मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। उनके साथ जूनियर एनटीआर इस बार दो-दो हाथ करते दिखेंगे। इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन और एडवेंचर देखने को मिल सकता है। दर्शक फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

दे दे प्यार दे 2 : अजय देवगन, रकुल प्रीत सिंह और तब्बू की फिल्म 'दे दे प्यार दे'साल 2019 में रिलीज हुई थी। एक शादीशुदा और दो बच्चों के पिता के एक युवा लड़की के प्यार में पड़ने और फिर अपनी पत्नी और बच्चों से उसे मिलवाने की कहानी, इस कॉमेडी ड्रामा को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। अब इस फिल्म का अगला भाग 'दे दे प्यार दे 2' इस साल 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है। फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा मेकर्स ने पिछले साल ही कर दी थी। 'दे दे प्यार दे 2' में अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह के साथ आर माधवन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

शूटिंग शुरू होने के बाद भी हो रही थी उन्हें बाहर करने की चर्चा

गब्बर के रोल के लिए पहली पसंद नहीं थे अमजद खान

आप सबको पता ही होगा की फिल्म में गब्बर का किरदार अमजद खान ने निभाया था, लेकिन क्या आपको ये पता है की गब्बर रोल के लिए अमजद खान फिल्म निर्माता की पहली पसंद नहीं थे। यहां तक की शूटिंग के दो दिन बाद अमजद खान को फिल्म से निकालने की बाते भी चलने लगीं थी। लेकिन अमजद खान ने भी अपनी एक्टिंग से सबको दिखा दिया था की उनसे बेहतर गब्बर बॉलीवुड में दूसरा नहीं होगा। आखिर फिल्म डायरेक्टर रमेश सिप्पी किस एक्टर को गब्बर किरदार में लेने की सोच रहे थे।

नई दिल्ली। जब भी बॉलीवुड में खतरनाक विलेन्स की बात होती है तो गब्बर का नाम लिस्ट में सबसे पहला नजर आता है। लेकिन आपको ये शायद ही पता होगा की गब्बर के किरदार के लिए फिल्म निर्देशक की पहली पसंद अमजद खान नहीं, बल्कि कोई और एक्टर थे। साल 1975 की कल्ट क्लासिक फिल्म शोले...जिसका नाम सामने आते ही जय-वीरू की जोड़ी तो याद आती ही है। साथ ही गब्बर के एवरग्रीन डायलाग कानों में गूंजने लगते हैं। गूंजें भी क्यों ना आखिर शोले में गब्बर का किरदार था ही इतना पावरफुल था जिसे कोई भी देखे तो जिंदगी भर ना भूल पाए।

डैनी डेन्जोंग्पा का एक्टिंग कॅरियर

सिक्किम के रहने वाले डैनी डेन्जोंग्पा ने फिल्मों में ज्यादातर विलेन किरदार निभाकर सिनेमा में अपनी पहचान बनाई। डैनी ने बॉलीवुड में अपना करियर साल 1971 की फिल्म जरूरत में छोटे रोल से किया, जो 1972 में रिलीज हुई थी। डैनी साल 1973 की फिल्म धुंध में पहली बार नेगेटिव रोल में नजर आए। दो रंग (1979), अंदर बाहर (1984), आंधी तूफान (1986), भगवान दादा (1986), अग्निपथ (1990), हम (1992), क्रांतिवीर (1994), घातक (1996) और पुकार (2000) डैनी डेन्जोंगपा की यादगार फिल्मों में से एक हैं। इसके अलावा एक्टर आखरी बार साल 2022 की फिल्म ऊंचाई में नजर आए। डैनी साल 1992 की फिल्म 'सनम बेवफा' और साल 1993 की फिल्म खुदा गवाह के लिए फिल्मफेयर बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर अवार्ड जीते।

ये बैड मैन थे डायरेक्टर की पहली पसंद

फिल्म मेकर रमेश सिप्पी डैनी डेन्जोंग्पा को बतौर गब्बर फिल्म में साइन करना चाहते थे, लेकिन डैनी डेन्जोंग्पा ने धर्मात्मा फिल्म में अपने पॉजिटिव रोल के लिए शोले ठुकरा दी थी और शोले रिलीज होने के बाद डैनी ने बताया कि उन्हें इस फैसले पर कोई अफसोस नहीं है। क्योंकि, कोई भी लेजेंडरी विलेन का रोल अमजद खान से बेहतर नहीं कर सकता था।

आखिरी ओवर में 2 विकेट गिरे

पंजाब ने गुजरात को 11 रन से हराया, श्रेयस ने 97 रन बनाए, प्रियांश-शशांक फिफ्टी चूके

भाषा ▶▶ अहमदाबाद

कप्तान श्रेयस अय्यर ने पंजाब किंग्स के लिए अपने पहले मैच में 42 गेंदों पर नाबाद 97 रनों की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम ने मंगलवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में गुजरात टाइटंस पर 11 रन की जीत दिलायी। श्रेयस ने अपनी आतिशी पारी में नौ छक्के और पांच चौके लगाए लेकिन वह आईपीएल में अपना पहला शतक पूरा नहीं कर सके क्योंकि आखिरी ओवर में उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। मोहम्मद सिराज के इस ओवर से शशांक सिंह (16 गेंदों पर 44 रन) ने 23 रन बटोरकर पंजाब की पारी को शानदार तरीके से समाप्त किया। शशांक ने अपनी शानदार पारी के दौरान छह चौके और दो छक्के लगाए। पंजाब किंग्स ने पांच विकेट पर 243 रन बनाने के बाद गुजरात टाइटंस को पांच विकेट पर 232 रन पर रोका कर अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया। गुजरात के लिए सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने 41 गेंद में पांच

चौके और छह छक्के की मदद से 74 रन बनाये। उन्होंने पहले विकेट के लिए कप्तान शुभमन गिल (14 गेंद में 33) के साथ 35 गेंद में 61 रन जबकि जॉस बटलर (33 गेंद में 54) के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 गेंद में 84 रन की साझेदारी कर मजबूत नींव रखी। गिल ने 14 गेंद की पारी में दो चौके और तीन छक्के लगाये जबकि बटलर ने 33 गेंद की पारी में चार चौके और दो छक्के लगाये। आखिरी ओवरों में शरफेन रदरफोर्ड ने 28 गेंद में चार चौके और तीन छक्के की मदद से 46 रन बनाये लेकिन टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा सके। किंग्स के लिए अर्शदीप ने 36 रन देकर दो विकेट लिये लेकिन मैच के परिणाम पर टीम के इंपैक्ट खिलाड़ी विजयकुमार का बड़ा प्रभाव रहा जिन्होंने मैच के 15वें और 17वें ओवर में सिर्फ 10 रन खर्च किये। अय्यर और शशांक के साथ युवा बल्लेबाज प्रियांश (23 गेंदों पर 47 रन) ने भी पंजाब के लिए आक्रामक बल्लेबाजी कर प्रभावित किया। इस वामहस्त बल्लेबाज ने जीवनदान का फायदा उठाते हुए शुरुआती ओवर से ही गुजरात के गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक रूख अपनाया।

अपना पहला मैच हार चुकीं नाइटराइडर्स और आरआर जीत हासिल करने लगाएंगी दमखम

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के छठे मैच में राजस्थान रॉयल्स का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से बुधवार 26 मार्च को होगा।केकेआर को अपने पहले मैच में आरसीबी के खिलाफ हार मिली थी, जबकि आरआर को अपने पहले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने हराया था। ऐसे में गुवाहटी में होने वाले इस मैच में दोनों टीमें अपनी-अपनी पहली जीत दर्ज करना चाहेंगी। आरआर और केकेआर के बीच होने वाला यह मैच आज गुरुवार 26 मार्च को गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से प्रारंभ होगा।

खास खबर

पूरे साल मैंने मैच फिनिश करने पर ध्यान केंद्रित किया : आशुतोष

विशाखापत्तनम। दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ एक विकेट की चमत्कारिक जीत दिलाने वाले आशुतोष शर्मा ने कहा कि उन्होंने पूरे साल मैच को 'फिनिश' करने पर ध्यान केंद्रित किया जिसका उन्हें यहां फायदा मिला। आशुतोष ने पिछले साल पंजाब किंग्स की तरफ से खेलते हुए मैच फिनिशर की अपनी भूमिका से प्रभावित किया था लेकिन तब वह अपने प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे।

मैच फिक्सिंगमें भारतीय को चार साल की सजा

कोलंबो। श्रीलंका की एक अदालत ने एक भारतीय नागरिक को क्रिकेट मैच फिक्सिंग के 2024 के एक मामले में मंगलवार को चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। योगी पटेल पर कैंडी में खेले गए लीजेंड्स लीग टी 20 टूर्नामेंट में मैच फिक्स करने की पेशकश के आरोप लगे थे। उस पर श्रीलंका की चयन समिति के अध्यक्ष उपुल थरंगा की शिकायत के आधार पर आरोप लगाए गए थे। पटेल पर अदालत द्वारा यात्रा प्रतिबंध के बावजूद देश से भाग जाने के कारण उसकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया था।

मेनन आईसीसी एलीट पैनल के अंपायर बने रहेंगे

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने दक्षिण अफ्रीका के अलाउद्दीन पालेकर और इंग्लैंड के एलेक्स व्हार्फ को आईसीसी अंपायरों के एलीट पैनल में शामिल किया जिसमें नितिन मेनन एकमात्र भारतीय हैं। भारत के जयरामन मदनगोपाल को इमर्जिंग पैनल में पदोन्नत किया गया है। मेनन अंपायरों के एलीट पैनल में रिचर्ड इलिंगवर्थ के बाद दूसरे स्थान पर हैं। पालेकर और व्हार्फ एलीट पैनल में माइकल गॉफ और जोएल विल्सन की जगह लेंगे।

चोटिल खिलाड़ियों की जगह अन्य विकल्पों से ही काम चलाना होगा : क्लूसनर

विशाखापत्तनम। लखनऊ सुपर जॉइंट्स के सहायक कोच लांस क्लूसनर ने कहा कि चोटिल खिलाड़ियों की वापसी से पहले वैकल्पिक खिलाड़ियों से काम चलाने के अलावा उनके पास कोई चारा नहीं है। लखनऊ की टीम को आईपीएल के नए सत्र से पहले ही करारा झटका लगा क्योंकि उसके कम से कम चार तेज बाद गेंदबाज आवेश खान, मयंक यादव, मोहसिन खान और आकाशदीप चोटिल हो गए। लखनऊ के गेंदबाज दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सत्र के अपने पहले मैच में अच्छी शुरुआत करने के बावजूद 209 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर पाए। इस मैच में ओस ने भी अपनी भूमिका निभाई।

गेंदबाजी में अधिक विकल्प नहीं

क्लूसनर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा अभी हमारे पास गेंदबाजी में बहुत अधिक विकल्प नहीं हैं। जब तक हमारे खिलाड़ी चोट से उबरकर वापसी नहीं करते हैं तब तक हमें अपने वैकल्पिक खिलाड़ियों से ही काम चलाना होगा।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन यही इस खेल की प्रकृति है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हैदराबाद में होने वाले अगले मैच में हमारे बल्लेबाजों को इस मैच की तरह महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

मजबूत रन रेट के साथ प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर हैदराबाद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आईपीएल 2025 में शानदार मुकाबले खेले जा रहे हैं। अब तक एक भी मुकाबला ऐसा नहीं रहा है, जिसमें एकतरफा जीत देखने को मिली हो। अब तक खेले गए सभी मुकाबले बेहद रोमांचक रहे हैं और लगभग बराबरी की टक्कर रही है। सबसे शानदार मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम के बीच रहा, जबकि सबसे बड़ा स्कोर हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के मैच में बना। अब तक खेले गए मुकाबलों से समझा जा सकता है कि आईपीएल 2025 में सभी टीमें बेहद मजबूत नजर आ रही हैं।

आईपीएल में हो रहे इन बड़े मैचों से पहले यह देखना बेहद जरूरी है कि अब प्वाइंट्स टेबल में कौन सी टीम किस स्थान पर मौजूद है और किस टीम के पास सबसे ज्यादा रन रेट है।

फिलहाल नंबर वन पर है सनराइजर्स

प्वाइंट्स टेबल पर नजर डालें तो इस समय पहले स्थान पर हैदराबाद की टीम मौजूद है। हैदराबाद की टीम ने बड़े अंतर से मुकाबला जीता था। टीम ने 44 रनों से राजस्थान रॉयल्स को हराया था, जिसके चलते टीम का रन रेट भी बेहद मजबूत है। हैदराबाद इस समय +2.200 के रन रेट के साथ पहले स्थान पर मौजूद है।

मंगलवार तक हो चुके हैं चार मुकाबले

दरअसल, अब तक आईपीएल के चार मुकाबले खेले जा चुके हैं, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने जीत दर्ज की है, जबकि मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

दूसरी आरआर, तीसरी सीएसके, चौथे पर दिल्ली

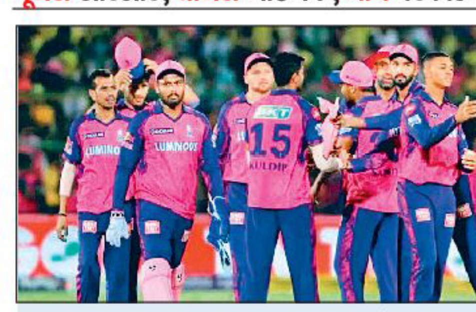

दूसरे स्थान पर नजर डालें तो इस समय रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम मौजूद है। बेंगलुरु ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हराया था, जिसके चलते टीम के पास मजबूत रन रेट है। इस समय रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु +2.137 के रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद है। तीसरे स्थान पर चेन्नई सुपर किंग्स की टीम मौजूद है। चेन्नई सुपर किंग्स का रन रेट +0.493 है। चौथे नंबर पर अब दिल्ली की टीम है। दिल्ली के पास +0.371 का रन रेट है।

प्वाइंट्स टेबल पर अन्य टीमों का हाल

फिलहाल, प्वाइंट्स टेबल में लखनऊ सुपरजाइंट्स सातवें, मुंबई इंडियंस आठवें, कोलकाता नाइट राइडर्स नौवें और राजस्थान रॉयल्स 10वें स्थान पर मौजूद हैं। इन सभी टीमों में राजस्थान रॉयल्स का रन रेट सबसे खराब है। राजस्थान इस समय -2.200 के रन रेट के साथ प्वाइंट्स टेबल में है।

विश्व कप क्वालीफायर में इंग्लैंड टीम की लगातार दूसरी जीत

लंदन। रीस जेम्स ने फ्री किक पर खूबसूरत गोल किया जबकि एबेरेची एजे ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल दागा जिससे इंग्लैंड ने सोमवार को वेम्बली स्टेडियम में लाटविया को 3-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के क्वालीफायर में लगातार दूसरी जीत हासिल की। जेम्स ने पिछले ढाई वर्ष में पहली बार शुरुआती एकादश में जगह बनाई तथा 37वें मिनट में 25 मीटर की दूरी से फ्री किक पर दर्शनीय गोल किया। यह इंग्लैंड की तरफ से 18 मैच में उनका पहला गोल है। दिग्गज खिलाड़ी हैरी केन ने युवा मिडफील्डर मॉर्गन रोजर्स और डेक्लान राइस के सहयोग से 68वें मिनट में इंग्लैंड की बढ़त दोगुनी की जबकि एजे ने 76वें मिनट में तीसरा गोल किया। विश्व कप क्वालीफायर के अपने पहले मैच में अल्बानिया को 2–0 से पराजित करने वाले इंग्लैंड को ग्रुप के में शीर्ष पर रहने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

खबर संक्षेप

सेफा में हार के बाद कांस्य के लिए खेलेंगे सुनील कुमार

अम्मान (जोर्डन)। भारतीय पहलवान सुनील कुमार मंगलवार को एशियाई चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन 87 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक के लिए चीन के जियाक्सिन हुआंग से भिड़ेंगे। सुनील ने 2019 में रजत पदक जीता था। ईरान के यासीन याजदी ने सेमीफाइनल में सुनील पर 3-1 से जीत दर्ज करके 87 किग्रा वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। सागर ठाकरान ने 77 किग्रा वर्ग का क्वालीफिकेशन मुकाबला जीता लेकिन क्वार्टर फाइनल में जॉर्डन के अमरो सादेह से 10-0 से हार गए। हार के बाद सागर की किस्मत का फैसला उनके प्रतिद्वंद्वी के सेमीफाइनल के नतीजों पर निर्भर होगा। उमेश (63 किग्रा) क्वालीफिकेशन में हार गए, लेकिन अगर उनके प्रतिद्वंद्वी ने बाद में सेमीफाइनल जीत लिया तो उन्हें रेपेशाज का मौका मिल सकता है।

महिला हॉकी लीगः ओडिशा, महाराष्ट्र और बंगाल जीते

रांची। ओडिशा, महाराष्ट्र और बंगाल ने मंगलवार को यहां राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग के अंतिम चरण के छठे दिन अपने मुकाबले जीत लिए। ओडिशा ने निर्धारित समय में 1-1 की बराबरी के बाद शूट-आउट में मिजोरम को 2-0 से हराया जबकि महाराष्ट्र ने मणिपुर को 4-0 से पराजित किया। एक अन्य मैच में बंगाल ने मध्य प्रदेश पर 1-0 की मामूली जीत हासिल की।

ओलंपिक 2032 के बाद ध्वस्त होगा गाबा

ब्रिस्बेन में बनेगा 60,000 सीटों वाला नया स्टेडियम

एजेंसी ▶▶ ब्रिसबेन

ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन में स्थित प्रतिष्ठित गाबा स्टेडियम को ओलंपिक 2032 के बाद ध्वस्त कर दिया जाएगा। उसके बाद इसे क्रिकेट विक्टोरिया पार्क क्षेत्र में 60,000 की क्षमता वाले नए स्टेडियम में स्थानांतरित किया जाएगा।

इस अत्याधुनिक स्टेडियम का निर्माण ओलंपिक बुनियादी ढांचे के हिस्से के रूप में किया जा रहा है। क्वींसलैंड के प्रीमियर डेविड क्रिसफुली ने मंगलवार को ओलंपिक बुनियादी ढांचे के लिए नवीनतम योजनाओं की घोषणा की, जिसमें क्रिकेट की केंद्रीय भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

सीए ने कहा, हम क्रिकेट समुदाय की ओर से क्वींसलैंड सरकार को वह स्टेडियम देने के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। क्रिकेट प्रशंसक इसके हकदार हैं। बता दें कि इसे ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेट मैदानों में से एक माना जाता है।

गाबा को लेकर बना हुआ था असमंजस

क्वींसलैंड द्वारा 2021 में 2032 ओलंपिक की बोली जीतने के बाद गाबा के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के कारण खेल अधर में लटका हुआ था। यह विकास वर्षों की अटकलों और बदलते प्रस्तावों के बाद बहुत जरूरी स्पष्टता प्रदान करता है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस फैसले का स्वागत किया और कहा, इस निर्णय से हमें आयोजन स्थलों और शेड्यूलिंग के बारे में निश्चितता मिलती है, जिससे हम ब्रिस्बेन में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट की मेजबानी सुनिश्चित कर सकते हैं।

सीए ने की विक्टोरिया पार्क में नए स्टेडियम की बात

सीए ने कहा, हमने क्वींसलैंड क्रिकेट और ब्रिस्बेन लायंस के साथ मिलकर विक्टोरिया पार्क में एक स्टेडियम बनाने की पुरजोर वकालत की है, और क्रिकेट इस महत्वपूर्ण निवेश को क्रिकेट प्रशंसकों और क्वींसलैंड के लोगों के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करने में एक प्रमुख भूमिका निभाएगा। क्रिकेट के 2032 में भी ओलंपिक में शामिल किए जाने की उम्मीद लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक 2028 में क्रिकेट की वापसी हो रही है।

जैस्मीन, सिमरनजीत कौर महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचीं

ग्रेटन नोएडा। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता जैस्मीन लम्बोरिया ने शानदार जीत के साथ अपना दबदबा कायम रखा, जबकि अनुभवी सिमरनजीत कौर भी मंगलवार को यहां महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गईं। सेना का प्रतिनिधित्व करने वाली जैस्मीन ने 57 किग्रा वर्ग में वापसी की है। उन्होंने दूसरे दौर में पांच मिनट से कम समय में तमिलनाडु की हन्ना जॉय पर आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोकना) से जीत हासिल की। 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता ने अपने कद का फायदा उठाते हुए हन्ना को कोई मौका नहीं दिया। उनकी बेहतरीन तकनीक और ताकतवर मुक्कों ने रेफरी को तीन बार हस्तक्षेप करने पर मजबूर किया जिसमें हन्ना को शुरुआती दौर में तीन स्टैंडिंग काउंट मिले और इसके बाद मुकाबला रोक दिया गया। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता और ओलंपियन सिमरनजीत ने 65 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में रेलवे की प्राची पर सर्वसम्मत फैसले से जीत हासिल की। मौजूदा चैंपियन अनामिका हुड्डा ने 51 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में दिल्ली की महक धर्रा पर 5-0 की सर्वसम्मत जीत दर्ज की। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन तमिलनाडु की कलैवानी एस ने 51 किग्रा वर्ग में 2022 की युवा विश्व चैंपियन महाराष्ट्र की देविका घोरपड़े को 5-0 के सर्वसम्मत निर्णय से हराकर उलटफेर किया।

विराट, रोहित, जडेजा खिसक सकते हैं नीचे, बुमराह-शुभमन लगाएंगे छलांग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इस समय सभी क्रिकेट फैंस की नजरें बीसीसीआई की केंद्रीय कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट पर बनी हुई हैं। दरअसल, जल्द ही क्रिकेट बोर्ड द्वारा मेंस खिलाड़ियों की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट जारी की जाएगी। यह देखना दिलचस्प रहेगा कि खिलाड़ियों को किस कैटेगरी में रखा जाता है और टीम के बड़े नामों को कौन सी कैटेगरी मिलती है।

इससे पहले सोमवार को बीसीसीआई द्वारा महिलाओं की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट जारी की गई थी, जिसमें 16 नाम शामिल थे। जिसके चलते अंदाजा लगाया जा रहा है कि जल्द ही मेंस की भी यह लिस्ट सामने आ जाएगी। सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट नेशनल चयन समिति द्वारा और हेड कोच के अलावा सचिव द्वारा परामर्श के साथ तैयार की जाती है। पिछली लिस्ट में मेंस की 30 नामों की सूची थी।

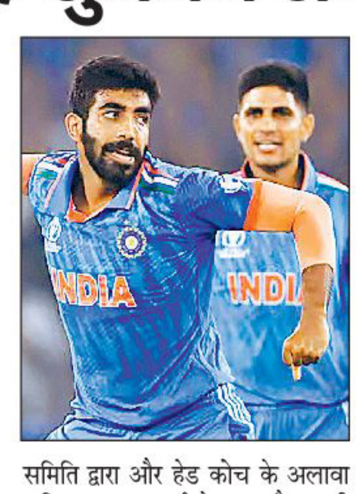

ये खिलाड़ी किस कैटेगरी में आएंगे

इस बार जारी होने वाली इस लिस्ट में रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविंद्र जडेजा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को किस श्रेणी में रखा जाएगा, इसे लेकर भी चर्चा है। दरअसल, ये खिलाड़ी टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में अब ए प्लस कैटेगरी में इन खिलाड़ियों का रहना मुश्किल नजर आ रहा है। दूसरी ओर, जो खिलाड़ी लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसमें शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों का नाम शामिल है, अब उन्हें कौन सी कैटेगरी में जगह मिलेगी, इस पर भी सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 20 जून से

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले इंडिया ए खेलेगी मैच टीम में नजर आ सकते हैं कई बड़े नाम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इस समय भारतीय खिलाड़ी आईपीएल के रंग में रंगे हैं। वह अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी से जुड़ गए हैं। टीम को अपना अगला अंतरराष्ट्रीय दौरा अब तीन महीने बाद करना है। बीसीसीआई इस समय खाली नहीं बैठना चाहती हैं। उसने तीन महीने बाद की तैयारी अभी से शुरू कर दी है। टीम को इंग्लैंड का दौरा करना है और इससे पहले इंडिया ए वहां पहुंचेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंडिया ए टीम इंग्लैंड का दौरा करेगी और वहां दो अनऑफिशियल मैच खेलेंगी। अगले 20 जून से भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मैच लीड्स में खेला जाएगा।

भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज

मैच	तारीख	ग्राउंड
पहला टेस्ट	20 जून-24 जून	हेडिंग्ले, लीड्स
दूसरा टेस्ट	जुलाई 02-जुलाई 06	एजबेस्टन, बर्मिंघम
तीसरा टेस्ट	10 जुलाई-14 जुलाई	लॉर्ड्स, लंदन
चौथा टेस्ट	23 जुलाई-27 जुलाई	एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर
5वां टेस्ट	31 जुलाई-4 अगस्त	केनिंग्टन ओवल, लंदन

पहला मैच 4 जून को इंडिया-ए बनाम इंग्लैंड लायंस

पहला मैच चार जून से शुरू हो सकता है जिसमें इंडिया ए का सामना इंग्लैंड लायंस से होगा। बीसीसीआई चाहता है कि टेस्ट सीरीज से पहले टीम के खिलाड़ियों को रेड बॉल से अच्छे अभ्यास का मौका मिले। इंडिया ए टीम कई बड़े नाम नजर आ सकते हैं। खासतौर पर टीम के स्टार बल्लेबज इस मैच के लिए टीम में शामिल हो सकते हैं। चार जून के इन मुकाबले के बाद, भारतीय टीम में इंटरा स्क्वाड (भारत के ही खिलाड़ियों को टीम में बांट देना) मैच होगा।

गौतम गंभीर भी जाएंगे साथ

अगले 20 जून से भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मैच लीड्स में खेला जाएगा। पहले और दूसरे मैच के बीच गैप में इंडिया ए और इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरा अनऑफिशियल मैच खेला जाएगा। दौरे पर टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी इंडिया ए के साथ जाएंगे। यह पहली बार होगा जब सीनियर टीम का कोच इंडिया ए टीम के साथ दौरे पर जाएगा।

अमेरिका और रूस के प्रतिनिधिमंडल के बीच युद्ध विराम को लेकर सऊदी अरब में वार्ता शुरू

» कीव, भाषा।

अमेरिकी और रूसी वार्ताकारों के बीच सोमवार को यूक्रेन में आंशिक युद्धविराम को लेकर वार्ता सऊदी अरब में शुरू हो गई। रूसी समाचार खबरों से यह जानकारी सामने आई है। यह वार्ता, अमेरिका और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल के बीच वार्ता के एक दौर के कुछ घंटों बाद शुरू हुई है। सरकारी समाचार एजेंसी तास और आरआईए-नोवोस्ती की खबर के मुताबिक, वार्ता राजधानी रियाद में शुरू हुई और इस बैठक के बाद अमेरिका और यूक्रेन के दलों के बीच एक बार और बैठक होने की संभावना है। खबर में बताया गया कि अलग-अलग बैठकों में ऊर्जा संयंत्रों और नागरिक अवसंरचना पर रूस और यूक्रेन दोनों की ओर से लंबी दूरी के हमलों पर विराम के विवरण पर चर्चा की जाएगी। साथ ही सुरक्षित वाणिज्यिक समुद्री परिवहन सुनिश्चित करने के लिए काला सागर में हमलों पर रोक लगाने को लेकर भी चर्चा की जाएगी।

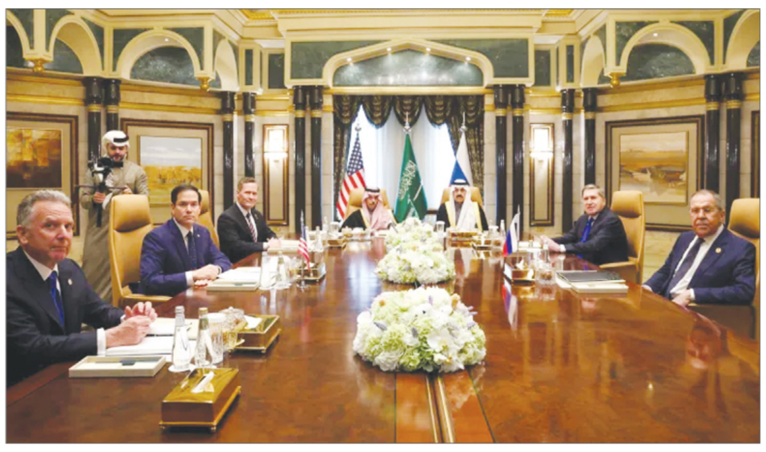

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात करने के बाद यूक्रेन और रूस ने बुधवार को सीमित युद्धविराम पर सैद्धांतिक रूप से सहमति जताई थी, लेकिन दोनों पक्षों ने इस बात पर अलग-अलग विचार व्यक्त किए थे कि किन ठिकानों पर हमला करना प्रतिबंधित होगा। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर युद्ध विराम समझौते पर पहुंचने के प्रयासों को कमजोर करने का आरोप लगाया। व्हाइट हाउस ने ऊर्जा और आधारभूत संरचना पर हमले पर रोक लगाने की बात कही थी, लेकिन क्रेमलिन ने समझौते में सिर्फ ऊर्जा अवसंरचा को ही जगह दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि वह रेलवे और बंदरगाहों की सुरक्षा भी चाहेंगे। जेलेंस्की ने रविवार शाम को टेलीविजन पर दिए गए एक बयान में कहा कि 11 मार्च से ही बिना शर्त युद्ध विराम का प्रस्ताव विचाराधीन है और ए हमले पहले ही बंद हो सकते थे, लेकिन रूस ने यह सब जारी रखा है। जेलेंस्की ने कहा, इस आतंक को रोकने के लिए रूस पर अधिक दबाव होना चाहिए। उन्होंने कहा, यह हमारे सभी भागीदारों अमेरिका, यूरोप और दुनिया भर के अन्य देशों पर निर्भर करता है। जेलेंस्की ने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन ट्रंप द्वारा प्रस्तावित 30 दिवसीय पूर्ण युद्धविराम के लिए तैयार है, जबकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कीव को हथियारों की आपूर्ति रोकने और यूक्रेन की सैन्य लामबंदी को निलंबित करने की शर्त पर पूर्ण युद्धविराम की बात कही है। इन मांगों को यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगियों ने अस्वीकार कर दिया है।

ट्रंप प्रशासन ने संघीय कर्मचारियों को बहाल करने के आदेश पर रोक की मांग की

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय से उस आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया, जिसके तहत विभिन्न संघीय एजेंसियों से निकाले गए हजारों कर्मचारियों को बहाल करने का निर्देश दिया गया है। ट्रंप प्रशासन ने उच्चतम न्यायालय में दायर एक आपातकालीन अपील में दलील दी है कि इस आदेश पर रोक लगाई जानी चाहिए, क्योंकि न्यायाधीश के पास नौकरी से निकाले गए लगभग 16,000 परिवीक्षाधीन कर्मचारियों को बहाल करने का आदेश देने का अधिकार नहीं है।

युद्ध विराम पर चर्चा के लिए अमेरिका ने यूक्रेनियों के बाद रूसियों से अलग से बातचीत की

दुबई। अमेरिकी वार्ताकारों ने यूक्रेन में प्रस्तावित आंशिक युद्ध विराम के विषय पर यूक्रेनी टीम के साथ पृथक बातचीत के एक दिन बाद सोमवार को रूस के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। रूस और यूक्रेन ने एक-दूसरे पर तीन साल से चल रहे युद्ध को रोकने के प्रयासों को कमजोर करने का आरोप लगाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस और यूक्रेनके नेताओं से बातचीत करने के बाद बुधवार को दोनों युद्धरत देश (रूस और यूक्रेन) सीमित युद्धविराम पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हुए थे। लेकिन रूस और यूक्रेन ने इस बात पर अलग-अलग विचार व्यक्त किए कि किन लक्ष्यों पर हमला करना वर्जित होगा। (अमेरिकी) व्हाइट हाउस ने कहा कि इसमें ऊर्जा और बुनियादी ढांचे को भी शामिल किया जाएगा। क्रेमलिन (रूसी पक्ष) ने घोषणा की कि समझौते में ऊर्जा बुनियादी ढांचे को खास रूप से संदर्भित किया गया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि वह चाहेंगे कि रेलवे और बंदरगाहों को सुरक्षा मिले। रूस की सरकारी समाचार एजेंसियों तास और आरआईए-नोवोस्ती ने बताया कि अमेरिका और रूस के प्रतिनिधियों ने सुबह सऊदी अरब की राजधानी में मुलाकात की। अमेरिका और यूक्रेन की टीम रविवार को रियाद में मिलीं। यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार सेरही लेशचेंको ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल सोमवार को रियाद में रहेगा और अमेरिकियों से पुनः वार्ता की उम्मीद है। इस बीच रूस और यूक्रेन दोनों ने एक-दूसरे पर हमला जारी रखा। रूसी रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि एक यूक्रेनी ड्रोन ने दक्षिणी रूस में एक तेल पंपिंग स्टेशन पर हमला किया। इसने कहा कि पंपिंग स्टेशन तक पहुंचने से पहले ही ड्रोन को मार गिराया गया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने सोमवार को कहा कि रूसी सेना राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 30 दिनों के लिए ऊर्जा सुविधाओं पर हमले को रोकने के आदेश का पालन कर रही है।

ट्रंप को हमारी संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए : कनाडा के प्रधानमंत्री

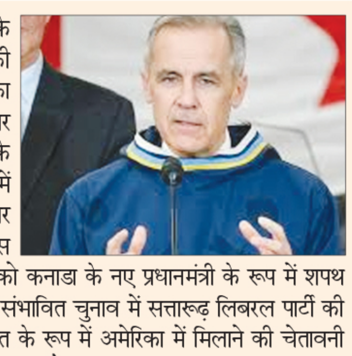

टोरंटो। कनाडा में आम चुनाव के लिए प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए देश के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और उनके प्रतिद्वंद्वी एवं कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलीवरे ने रविवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कनाडा की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए। ट्रंप की ओर से कनाडा की संप्रभुता को पैदा किए गए खतरे और व्यापार युद्ध की आशंका की पृष्ठभूमि में दोनों ने यह बयान दिया है। कार्नी ने घोषणा की कि 28 अप्रैल को मतदान से पहले पांच सप्ताह तक चुनाव प्रचार अभियान चलेगा। कार्नी ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के अनुचित व्यापारिक कदमों और हमारी संप्रभुता के खिलाफ उनकी धमकियों के कारण हम अपने जीवन के सबसे बड़े संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप का दावा है कि कनाडा वास्तव में कोई देश नहीं है। वह हमें तोड़ना चाहते हैं ताकि अमेरिका हमारा मालिक बन सके। हम ऐसा नहीं होने देंगे। लिबरल पार्टी ने शनिवार को घोषणा की थी कि कार्नी पहली बार संसद सदस्य बनने के लिए ओटावा के उपनगरीय क्षेत्र नेपियन से चुनाव लड़ेंगे। हाउस ऑफ कॉमन्स की 343 सीट या जिलों के लिए चुनाव प्रचार 37 दिन तक चलेगा। पूर्व केंद्रीय बैंकर मार्क कार्नी ने 14 मार्च को कनाडा के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। कार्नी (59) ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की जगह ली। ट्रूडो ने जनवरी में अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। इस साल संभावित चुनाव में सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी की हार की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन ट्रंप ने शुल्क के रूप में आर्थिक युद्ध की घोषणा कर दी और पूरे देश को 51वें प्रांत के रूप में अमेरिका में मिलाने की चेतावनी दी। अब इन बदले समीकरण के कारण लिबरल पार्टी को चुनाव में बढ़त मिलने के दावे किए जा रहे हैं। ट्रंप ने कनाडा के इस्पात और एल्युमीनियम पर 25 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है तथा दो अप्रैल से सभी कनाडाई उत्पादों पर भारी शुल्क लगाने की घोषणा की है। कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलीवरे चुनाव में कार्नी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी हैं। उन्होंने कहा कि वह ट्रंप के सामने खड़े होंगे। पोलीवरे ने कहा, मैं इस बात पर जोर दूंगा कि राष्ट्रपति (ट्रंप) कनाडा की स्वतंत्रता और संप्रभुता को मान्यता दें।

भारत के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता

अदाणी समूह के साथ ऊर्जा परियोजना पर बात नहीं बनने के लिए दिसानायके सरकार जिम्मेदार: विक्रमसिंघे

» कोलंबो, भाषा।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए कहा है कि वह भारत के अदाणी समूह की मन्नार नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना पर बात आगे बढ़ाने में विफल रही है। विक्रमसिंघे ने शनिवार को एक टेलीविजन परिचर्चा के दौरान यह बात कही, जिसकी क्लिप सोमवार को जारी की गई। उन्होंने श्रीलंका के लाभ के लिए भारत के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपने दो साल के कार्यकाल (2022) के दौरान, मैंने दक्षिण भारत पर केंद्रित आर्थिक ढांचे पर जोर दिया था जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि और व्यापार संबंध शामिल थे। मैंने भारत के साथ आर्थिक सहयोग के कई रास्ते तलाशे। दुर्भाग्यवश, वर्तमान सरकार मन्नार में अदाणी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना को आगे बढ़ाने में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि एनपीपी सरकार का अदाणी हरित ऊर्जा परियोजना पर फिर से बातचीत करने का प्रयास तर्कहीन है और यह भारतीय निवेशों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने 13 फरवरी को श्रीलंका में दो प्रस्तावित पवन ऊर्जा परियोजनाओं से अपना नाम वापस ले लिया था। यह निर्णय राष्ट्रपति दिसानायके के नेतृत्व वाली नई सरकार द्वारा टैरिफ पर दोबारा बातचीत करने के फैसले के बाद लिया गया। अदाणी समूह को इन परियोजनाओं में कुल एक अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करना था जिनके तहत बिजली उत्पादन और ट्रांसमिशन लाइनें बिछाई जानी थीं। दिसानायके प्रशासन ने इस सौदे की समीक्षा करते हुए बिजली दरों को कम करने का प्रस्ताव रखा था। एनपीपी ने पिछले साल के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान इस परियोजना को रद्द करने की बात कही थी। सत्ता में आने के बाद, एनपीपी कैबिनेट ने इस पर दोबारा बातचीत करने का निर्णय लिया। एनपीपी सरकार ने तर्क दिया कि पिछली विक्रमसिंघे सरकार द्वारा तय की गई खरीद कीमत महंगी थी और इसमें भ्रष्टाचार की आशंका थी। इसके जवाब में, अदाणी समूह ने कहा कि उसने इस 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर की परियोजना से सम्मानपूर्वक हटने का फैसला किया है जबकि वह पहले ही इस पर 50 लाख अमेरिकी डॉलर खर्च कर चुका था। राष्ट्रपति दिसानायके ने कहा कि श्रीलंका को ऐसी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बोलियां मिलीं हैं जिनकी लागत अदाणी के प्रस्तावित 8.26 अमेरिकी प्रति यूनिट की तुलना में आधी है। विक्रमसिंघे के भारतीय निवेशों पर दिए गए बयान को अप्रैल के पहले सप्ताह में प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की श्रीलंका यात्रा के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

एर्दोगान के प्रतिद्वंद्वी को जेल में डालने के विरूद्ध प्रदर्शन, कई पत्रकार हिरासत में

» इस्तांबुल, भाषा।

तुर्किए की राजधानी इस्तांबुल के महापौर और राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगान के कट्टर विरोधी को कैद किए जाने के खिलाफ प्रदर्शनों के बीच अधिकारियों ने कई पत्रकारों को हिरासत में ले लिया। एक मीडिया कर्मचारी संघ ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अदालत ने रविवार को महापौर एक्रेम इमामोग्लू को औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने और भ्रष्टाचार के आरोपों पर मुकदमा चलने तक उन्हें जेल में रखने का आदेश दिया था। इमामोग्लू को बुधवार को हिरासत में लिए जाने के बाद बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर गए, जो एक दशक से भी अधिक समय में सबसे बड़ा प्रदर्शन है। ऐसे में देश में लोकतंत्र एवं कानून के शासन को लेकर गहरी चिंता उत्पन्न हो गई है। बढ़ते विरोध के मद्देनजर सरकार की कार्रवाई पर पत्रकारों के संघ डिस्क-बेसिन-इज यूनियन ने कहा कि कम से कम आठ पत्रकारों और फोटो पत्रकारों को हिरासत में ले लिया गया, जो प्रेस की स्वतंत्रता और लोगों के सच जानने के अधिकार पर हमला है।

यूनियन ने एक्स पर लिखा, पत्रकारों को चुप कराकर आप सच्चाई को नहीं छिपा सकते। संघ ने पत्रकारों की तत्काल रिहाई की मांग की। गृह मंत्री अली एरलिकाया ने कहा कि 19 मार्च को महापौर को उनके घर से गिरफ्तार किया गया और तब से अब तक कुल 1,133 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शनों में 123 पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि तेजाब, बम और चाकू जैसी खतरनाक हथियार जब्त किए गए हैं। एरलिकाया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा, कुछ लोग इकट्ठा होने और प्रदर्शन के अधिकार का दुरुपयोग कर रहे हैं, सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित, सड़कों पर अशांति फैलाने और हमारी पुलिस पर हमला करने का प्रयास कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि हिरासत में लिए गए कुछ लोगों की पहचान आतंकवादी संगठनों के रूप में सूचीबद्ध समूहों से संबंध रखने वाले के रूप में की गई है।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण कोरिया की अदालत ने प्रधानमंत्री हान के खिलाफ महाभियोग को खारिज किया

» सियोल, भाषा।

दक्षिण कोरिया की सवैधानिक अदालत ने देश के प्रधानमंत्री हान डक-सू के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को सोमवार को खारिज कर दिया और देश के दूसरे नंबर के नेता को कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में बहाल कर दिया लेकिन राष्ट्रपति यून सूक एओल के खिलाफ महाभियोग पर अभी फैसला नहीं सुनाया गया है। पिछले साल दिसंबर में मार्शल लॉ लागू करने के कारण यून के खिलाफ नेशनल असेंबली द्वारा महाभियोग प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद हान कार्यवाहक राष्ट्रपति बने थे।

देश में मार्शल लॉ लागू किए जाने के कारण एक बड़ा राजनीतिक संकट पैदा हो गया था। विपक्षी सांसदों के साथ राजनीतिक संघर्ष के बाद सदन में दिसंबर के अंत में हान के खिलाफ भी महाभियोग का प्रस्ताव पारित किया गया। संवैधानिक अदालत ने सोमवार को कहा कि उसने हान के खिलाफ महाभियोग को रद्द करने का फैसला किया है, लेकिन यून के खिलाफ महाभियोग पर अभी फैसला आना बाकी है। अगर अदालत यून के खिलाफ महाभियोग को बरकरार रखती है तो दक्षिण कोरिया को नए राष्ट्रपति के लिए चुनाव कराना होगा। अगर अदालत उनके पक्ष में फैसला सुनाती है तो यून को पद पर बहाल कर दिया जाएगा और उन्हें राष्ट्रपति पद की शक्तियां वापस मिल जाएंगी।

समीक्षा : ट्रंप की ओर से लगाए गए शुल्क के खिलाफ आक्रोश उत्पादों के संभावित बहिष्कार का संकेत देता है

» सिडनी, भाषा।

अगर अमेरिका आपके देश के खिलाफ युद्ध व्यापार छेड़ता है, तो आप किस तरह से इसका जवाब देंगे? एक विकल्प यह हो सकता है कि आप व्यक्तिगत व्यापार युद्ध छेड़ दें और अमेरिका के उत्पादों का बहिष्कार करने लगें। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी पारस्परिक शुल्क नीति से किसी भी देश को बख्शा नहीं जाएगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड भी शामिल हैं। अमेरिका के इस्पात और एल्युमीनियम के आयात पर शुल्क लगाने से ऑस्ट्रेलिया में इस क्षेत्र को नुकसान हो सकता है। वहीं, न्यूजीलैंड में मांस और शराब निर्यातकों के अमेरिकी शुल्क के कारण सबसे ज्यादा प्रभावित होने की आशंका है।

विभिन्न देशों ने अमेरिकी शुल्क पर अलग-अलग तरीके से प्रतिक्रिया दी है। कनाडा, मैक्सिको और यूरोपीय संघ (ईयू) ने जहां अमेरिका पर पारस्परिक शुल्क लगाने की घोषणा की है, वहीं ऑस्ट्रेलिया ने संकेत दिया है कि वह इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं करेगा। बहरहाल, सरकारें जवाबी कार्रवाई करती हैं या नहीं, यह तो उन्हीं पर निर्भर करता है, लेकिन उक्त देशों और अन्य देशों के नागरिकों ने अपने-अपने स्तर पर प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी है। उदाहरण के तौर पर, प्रसिद्ध कलाकार एंड्रास शिफ ने अमेरिका में प्रस्तावित कार्यक्रम रद्द कर दिया है। ट्रंप प्रशासन में उद्योगपति एलन मस्क की भूमिका को देखते हुए उनके मलिकाना हक वाली टेस्ला को भी लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है और वैश्विक स्तर पर कंपनी के वाहनों का बहिष्कार किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ला की नई गाड़ियों की बिक्री में 72 फीसदी और जर्मनी में 76 फीसदी की गिरावट आई है। दिसंबर 2024 से कंपनी के शेयर की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है। इसके अलावा, मस्क को टेस्ला के मुख्य कार्यकारी के पद से हटाने की भी मांग की जा रही है। कुछ देशों की सरकारें अपने नागरिकों से आग्रह कर रहीं हैं कि वे अमेरिका के सामानों को न खरीदें। उदाहरण के तौर पर, कनाडा सरकार ने अपने नागरिकों से कनाडा के उत्पाद खरीदकर और कनाडा में छुट्टियां मनाकर अमेरिका के अनुचित शुल्क के खिलाफ लड़ने का आग्रह किया है। जब लोग किसी सरकारी नीति का विरोध करना चाहते हैं, लेकिन उस देश का नागरिक न होने के कारण उनके पास कोई राजनीतिक शक्ति नहीं होती है, तो वे कंपनियों या ब्रांड का बहिष्कार करके अपना विरोध दर्ज कराते हैं। जब 2003 में फ्रांस ने इराक में युद्ध का विरोध किया था, तो अमेरिका में इस युद्ध का समर्थन करने वाले लोगों ने फ्रांसीसी सामान का बहिष्कार करने का लक्ष्य रखा। रूस के यूक्रेन पर हमला करने के बाद अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य देशों ने रूसी सामान का बहिष्कार करना शुरू कर दिया। इसी तरह, गाजा पट्टी में इजराइल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद इजराइली उत्पादों का विरोध किया जाने लगा। लोग अमेरिकी उत्पादों के बहिष्कार के जरिए सिर्फ ट्रंप के व्यापार युद्ध का ही विरोध नहीं कर रहे, बल्कि अमेरिकी प्रशासन में कॉरपोरेट जगत के प्रमुख लोगों को बड़ी भूमिका सौंपे जाने के प्रति आपत्ति भी जाहिर कर रहे हैं, जिनमें एलन मस्क के अलावा बिग टेक और कई सोशल मीडिया कंपनियों के प्रमुख शामिल हैं।

पाकिस्तान में अवैध रूप से घुसे 53 अफगान बच्चों को वापस भेजा गया: अधिकारी

पेशावर। पाकिस्तान में खैबर जिले की सीमा के जरिए अवैध रूप से देश में आए 53 अफगान बच्चों को उनके देश वापस भेज दिया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इन बच्चों ने काम की तलाश में पाकिस्तान में घुसने के लिए सीमा पर लगी बाड़ को काट दिया था। उन्होंने बताया कि सभी बच्चों को रविवार को अफगानिस्तान के प्राधिकारियों को सौंप दिया गया। उन्होंने बताया कि तोरखम सीमा चौकी पर तैनात अधिकारियों ने इन अफगान बच्चों की वापसी सुनिश्चित की। अधिकारी ने बताया कि अफगान बच्चों द्वारा अवैध रूप से सीमा पार करने की घटनाएं बढ़ रही हैं और प्रतिदिन करीब 700 ऐसे प्रयास होते हैं।

मेक्सिको के पार्क में गोलीबारी के मामले में तीन लोग गिरफ्तार

» लास क्रूसेस (मेक्सिको), भाषा।

न्यू मेक्सिको के लास क्रूसेस में शुक्रवार रात एक पार्क में हुई गोलीबारी के मामले में 20 वर्षीय युवक और दो किशोरों को गिरफ्तार किया गया है। प्राधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इस गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई थी और 15 अन्य लोग घायल हुए थे। लास क्रूसेस प्रशासन के बयान के अनुसार, टॉमस रिवास और 17 वर्षीय किशोर को शनिवार शाम हिरासत में लिया गया जबकि एक अन्य 17 वर्षीय किशोर को रविवार सुबह गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार, यंग पार्क में शुक्रवार रात लगभग 10 बजे यह गोलीबारी उस समय हुई जब एक अनधिकृत कार शो के दौरान झगड़ा हो गया। इस शो में करीब 200 लोग मौजूद थे। कुल 16 से 36 वर्ष की आयु के नौ पुरुषों और छह महिलाओंका मौके पर इलाज किया गया या उन्हें अस्पताल ले जाया गया। बयान में बताया गया कि इस गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई जिनकी पहचान एंड्रयू मैड्रिड (16), जेसन गोमेज (18) और डोमिनिक एस्ट्राडा (19) के रूप में की गई।

नासेर अस्पताल पर हमला | इजराइल-हमास युद्ध में 50,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए

इजराइल ने दक्षिणी गाजा के सबसे बड़े अस्पताल पर हमला किया : स्वास्थ्य मंत्रालय

» दीर अल-बलाह, भाषा।

इजराइल की सेना ने दक्षिणी गाजा के सबसे बड़े अस्पताल पर रविवार रात हमला किया, जिससे वहां भीषण आग लग गई, दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि यह हमला खान यूनिस शहर में नासेर अस्पताल पर किया गया। इजराइल द्वारा पिछले सप्ताह हवाई हमलों के साथ गाजा में युद्ध पुनः शुरू किए जाने के बाद इस अस्पताल में बड़ी संख्या में मृतकों और घायलों को लाया गया था।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि रविवार रात को हुए हमले में मारे गए लोगों में 16 वर्षीय एक लडका भी शामिल है। उसका दो दिन पहले ऑपरेशन हुआ था। हमास ने एक बयान में कहा कि हमास के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य इस्माइल बरहूम की भी मौत हो गई। बरहूम अस्पताल में भर्ती था। इजराइल की सेना ने अस्पताल पर हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि यह हमला वहां सक्रिय हमास के एक आतंकवादी के खिलाफ किया गया। इजराइल आम नागरिकों की मौत के लिए हमास को दोषी ठहराता है। उसका कहना है कि हमास के आतंकवादी घनी आबादी वाले इलाकों में काम करते हैं, जिसके कारण हमलों में आम नागरिकों की मौत होती है। इससे पहले, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को बताया था कि इजराइल-हमास युद्ध में 50,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं। इस बीच, दक्षिणी गाजा पट्टी में रविवार को रातभर हुए इजराइली हमलों में हमास के एक बड़े नेता समेत कम से कम 26 फलस्तीनी मारे गए थे। मंत्रालय ने बताया कि युद्ध में अब तक 1,13,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। उसने बताया कि युद्ध में मारे गए 50,021 लोगों में वे 673 मृतक भी शामिल हैं, जो पिछले सप्ताह युद्ध विराम-समाप्त होने के बाद इजराइल द्वारा अचानक किए गए हवाई हमलों में मारे गए। मंत्रालय के महानिदेशक डॉ. मुनीर अल-बोरश ने बताया कि मृतकों में 15,613 बच्चे शामिल हैं, जिनमें से 872 की उम्र एक वर्ष से कम थी।

भारत वैश्विक जहाज निर्माण उद्योग के लिए भरोसेमंद, प्रतिस्पर्धी विकल्प बनने को तैयार : सोनोवाल

सिंगापुर में 24-28 मार्च तक आयोजित समुद्री सप्ताह को संबोधित किया

» सिंगापुर, भाषा।

भारत ने बंदरगाह के बुनियादी ढांचे का विस्तार करने और कारोबार सुगमता की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास शुरू किए हैं और ये सुधार बंदरगाह की दक्षता में वृद्धि, मजबूत मालवहन प्रवाह और बढ़ते निवेशक भरोसे के रूप में फल दे रहे हैं। पोत परिवहन, बंदरगाह और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने यह जानकारी दी है। सिंगापुर में 24-28 मार्च तक आयोजित समुद्री सप्ताह को संबोधित करते हुए सोनोवाल ने कहा कि भारत, दुनियाभर के जहाज निर्माण उद्योगों के लिए एक विश्वसनीय और प्रतिस्पर्धी विकल्प बनने के लिए काम कर रहा है।

उन्होंने कहा, नीतिगत प्रोत्साहन, कारोबार सुगमता और बुनियादी ढांचे में वृद्धि के माध्यम से हम वर्ष 2047 तक भारत को शीर्ष पांच जहाज निर्माण देशों में से एक के रूप में उभरने की नींव रख रहे हैं। इसके अलावा, भारत हरित हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव के निर्माण का समर्थन करने और समुद्री क्षेत्र में वैकल्पिक ईंधन के उपयोग में अग्रणी होने के लिए तीन हरित हाइड्रोजन केंद्र बंदरगाहों - कांडला, तूतीकोरिन और पारादीप की स्थापना कर रहा है। भारतीय बंदरगाह, आज वैश्विक मालवहन (कार्गो) का लगभग छह प्रतिशत भाग संभालते हैं। मंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक यह हिस्सा बढ़कर 15 प्रतिशत होने की उम्मीद है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,